लखनऊ

मंगलवार, 10 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 198

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"मेहनत करने वालों की किस्मत देर से चमकती है, लेकिन जब चमकती है तो दुनिया भी हैरान रह जाती है।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 21° Low

संक्षेप

अरविंद-सिसोदिया की मुश्किलें फिर बढ़ीं, सीबीआई बोली- यह सबसे बड़ा स्कैम, बरी करना गलत

नई दिल्ली, एजेंसी। शराब नीति मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य को बरी करने वाले विशेष न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए सीबीआई ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में अपील दायर की और कहा कि केजरीवाल और सिसोदिया को बरी करने का निचली अदालत का आदेश गलत है। सीबीआई ने दिल्ली उच्च न्यायालय में कहा कि आबकारी नीति मामला सबसे बड़े घोटालों में से एक है और भ्रष्टाचार का स्पष्ट मामला है। जांच एजेंसी ने कहा कि निचली अदालत ने केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य के पक्ष में बिना सुनवाई के ही बरी करने का आदेश पारित किया और यह भी कहा कि रिश्वत देने वाले कोविड महामारी के चरम पर भी निजी विमानों में यात्रा करते रहे, जबकि निजी विमानों की अनुमति नहीं थी। सीबीआई ने कहा कि हमारे द्वारा जुटाए गए सबूतों को नजरअंदाज किया गया है और केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं और गवाह सीबीआई के मामले का समर्थन करते हैं। पिछले हफ्ते दिल्ली की एक अदालत ने कहा कि शराब नीति की जांच के दौरान सीबीआई द्वारा जुटाए गए सबूत 'नीति को छिपाने, एकतरफापन या संवैधानिक अधिकार के बहिष्कार' का प्रथम दृष्टया मामला उजागर करने में विफल रहे, और इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बरी कर दिया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव, किरेन रिजिजू ने संभाला मोर्चा, बोले- मिलेगा करारा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा शुरू करेंगे। विपक्ष ने ओम बिरला पर पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाया है। 118 विपक्षी सांसदों ने प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को कथित तौर पर बोलने नहीं दिए जाने के बाद अध्यक्ष के पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाया गया है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर, निशिकांत दुबे, रवि शंकर प्रसाद और भर्तृहरि महताब इस विषय पर अपनी बात रखेंगे। सूत्रों के अनुसार, लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के चिराग पासवान भी सत्र को संबोधित करेंगे। इससे पहले दिन में, किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए चेतावनी दी कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर उन्हें पछतावा होगा। पत्रकारों को संबोधित करते हुए रिजिजू ने स्पीकर का बचाव करते हुए कहा कि यह प्रस्ताव बिना किसी कारण के और केवल एक व्यक्ति की हठधर्मिता को संतुष्ट करने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सदन में इसका करारा जवाब देने के लिए तैयार है और प्रस्ताव की हार की भविष्यवाणी की। उन्होंने कहा कि संसद के बजट सत्र का दूसरा भाग आज से शुरू होने वाला है। दुख की बात है कि इसकी शुरुआत लोकसभा स्पीकर के खिलाफ विपक्ष, विशेष रूप से कांग्रेस पार्टी द्वारा उन्हें हटाने के लिए लाए गए प्रस्ताव से हो रही है।

'परिवर्तन यात्रा' से भाजपा का बड़ा चुनावी संदेश, भ्रष्टाचार और घुसपैठ पर ममता सरकार को घेरा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' के जरिए राज्य की सियासत तेज हो गई है। राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित जनसभाओं में भाजपा के केंद्रीय और प्रदेश स्तर के नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार, घुसपैठ, कानून-व्यवस्था की गिरती स्थिति और कुप्रशासन के आरोप लगाते हुए सत्ता परिवर्तन का आह्वान किया। पार्टी नेताओं ने दावा किया कि जनता बदलाव चाहती है और राज्य में विकास व सुशासन के लिए भाजपा को मौका देने का समय आ गया है।

भाजपा की परिवर्तन यात्रा के तहत उत्तर 24 परगना जिले के नैहाटी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर राज्य सरकार राष्ट्रपति और राज्यपाल का विरोध करती है, जबकि दूसरी ओर घुसपैठियों और माफियाओं को संरक्षण दिया जाता है। ठाकुर ने कहा कि बंगाल की अस्मिता और संसाधनों की रक्षा के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार को हटाकर भाजपा की सरकार बनाना जरूरी है। उनके अनुसार आगामी विधानसभा चुनाव बंगाली गौरव, संस्कृति और राज्य के भविष्य की निर्णायक लड़ाई होगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ लंबे समय से जारी है और कांग्रेस, वाम दलों तथा तृणमूल कांग्रेस ने इसे वोट बैंक की राजनीति के लिए बढ़ावा दिया। ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार ने उद्योग और रोजगार सृजन के बजाय कट-मनी और भ्रष्टाचार की राजनीति को बढ़ावा दिया है और सत्तारूढ़ दल के कई मंत्री और नेता भ्रष्टाचार के मामलों में गिरफ्तार हो चुके हैं।

देश आगे बढ़ रहा, बंगाल पिछड़ रहा

उत्तर बंगाल के माल विधानसभा क्षेत्र में आयोजित सभा में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है, जबकि ममता बनर्जी के शासन में बंगाल पिछड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि अवैध घुसपैठ पर रोक नहीं लगी तो राज्य का जनसांख्यिकीय संतुलन बदल सकता है और आदिवासी, राजबोंगशी, गोरखा तथा अन्य समुदायों के अधिकार प्रभावित होंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने चाय बागान श्रमिकों के हितों के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए।

मेदिनीपुर डिवीजन के सबंग विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिन्हा ने तृणमूल कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में लगातार बम और हथियार बरामद हो रहे हैं, जिससे कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं को राजनीतिक कारणों से निशाना बनाया जा रहा है। बर्धमान डिवीजन के कालना विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मंजूमदार ने कहा कि बंगाल को केवल राजनीतिक परिवर्तन ही नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक और आर्थिक बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा, रोजगार के अवसर और उद्योगों के विकास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

बच्चे को रूस ले गई मां, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा– पिता को वर्चुअली बच्चे से मिलवाने की कोशिश करें

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह कोशिश करे कि एक भारतीय पिता को उसकी नाबालिग बेटी से ऑनलाइन तरीके से जोड़ने की व्यवस्था की जाए। यह बच्ची अपनी रूसी मां के साथ रूस चली गई है और फिलहाल दोनों का सही ठिकाना पता नहीं चल पाया है। यह मामला एक कस्टडी विवाद से जुड़ा है। रूसी महिला अपने भारतीय पति से अलग रह रही थी और दोनों के बीच बच्चे की देखभाल को लेकर लंबे समय से कानूनी लड़ाई चल रही है। इसी दौरान महिला अपनी बेटी को लेकर भारत से निकलकर रूस पहुंच गई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमल्या बागची की पीठ ने कहा कि अभी महिला और बच्चे के ठिकाने की जानकारी सार्वजनिक न की जाए और फिलहाल उन्हें भारत वापस लाने की कोशिश भी न की जाए। अदालत ने कहा कि कूटनीतिक स्तर पर प्रयास करके पिता और बच्चे के बीच वर्चुअल संपर्क स्थापित करने की कोशिश की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि रूस में मौजूद भारतीय दूतावास वहां की सरकार से संपर्क करके महिला और बच्चे का पता लगाने की कोशिश करे, ताकि कम से कम पिता और बच्चे के बीच बातचीत कराई जा सके। मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि बच्चे का पता लगाने के लिए कई कोशिशें की गईं। भारत और रूस के विदेश सचिवों के बीच बातचीत भी हुई और इंटरपोल का ब्लू कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया, लेकिन अभी तक कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर साधा निशाना, खरगे बोले– भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ रहा है प्रभाव

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में आज पश्चिम एशिया में जारी संकट को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में घमासान देखने को मिला है। विदेश मंत्री की तरफ से सदन में पश्चिम एशिया में व्याप्त संकट पर बयान दिया गया। लेकिन इसके बाद से विपक्ष सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, 'पश्चिम एशिया संकट से कितना नुकसान होगा? एक बड़े बदलाव की लड़ाई चल रही है। इससे हमारी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा। आपने शेयर बाजार देखा। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के साथ समझौता कर लिया है। देश को बड़ा झटका लगने वाला है। तो फिर इस पर चर्चा करने में उन्हें क्या दिक्कत है?'

राहुल गांधी ने आगे कहा कि, 'हम इसके बाद दूसरे मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। क्या पश्चिम एशिया का मुद्दा महत्वपूर्ण नहीं है? ईंधन की कीमतें और आर्थिक तबाही चर्चा के महत्वपूर्ण विषय नहीं हैं? ये सार्वजनिक मुद्दे हैं। हम इन्हें महत्वपूर्ण मानते हैं और इन पर चर्चा करना चाहते हैं... लेकिन वे चर्चा नहीं करना चाहते क्योंकि इससे और भी बातें सामने आएंगी, प्रधानमंत्री की छवि खराब होगी। उनकी छवि खराब होगी और उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा है, ये सब सामने आएगा। इसलिए वे चर्चा नहीं करना चाहते। आपने देखा कि प्रधानमंत्री संसद से कैसे भाग गए। मैं आपको बता रहा हूं, वे नहीं आ पाएंगे।'

भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ रहा है प्रभाव- खरगे

वहीं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को एशिया के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र में तेजी से बदल रही भू-राजनीतिक स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह हालात केवल उस क्षेत्र तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। साथ ही भारत की वैश्विक छवि और सामर्थ्य पर भी इसका असर दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी कच्चे तेल की लगभग 55 प्रतिशत जरूरतें पश्चिम एशिया से होने वाले आयात से पूरी करता है।

मध्य पूर्व जंग पर संसद में बोले विदेश मंत्री जयशंकर– हालात पर पीएम मोदी की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद में बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत आज हंगामे के साथ हुई। राज्यसभा में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच छिड़े युद्ध और इसके प्रभावों को लेकर जवाब दिए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के लिए बातचीत और डिप्लोमेसी को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। विदेश मंत्री जब जवाब दे रहे थे तब विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट किया। लोकसभा में भी विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा किया।

पश्चिम एशिया में पिछले 10 दिनों से जारी संघर्ष पर राज्यसभा में भारत का रुख बताते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 20 फरवरी को एक बयान जारी कर गहरी चिंता जताई थी और सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की थी। हमारा मानना है कि तनाव कम करने के लिए बातचीत और डिप्लोमेसी को आगे बढ़ाना चाहिए। तेल और गैस की आपूर्ति को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, "हमारी एनर्जी सिक्योरिटी पर इस संघर्ष के असर को देखते हुए सरकार यह पक्का करने के लिए प्रतिबद्ध है कि वह एनर्जी मार्केट की उपलब्धता, कीमत और जोखिम को ध्यान में रखे। हमारे लिए भारतीय ग्राहक का हित ही हमेशा सबसे ऊपर रहेगा।" एस जयशंकर ने बताया कि प्रधानमंत्री लगातार हर डेवलपमेंट पर करीब से नजर रखे हुए हैं। संबंधित मंत्रालय जवाब देने के लिए कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, 1 मार्च को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट कमिटी ऑफ़ सिक्योरिटी (CCS) की मीटिंग हुई थी। इसमें ईरान में एयरस्ट्राइक और उसके बाद कई खाड़ी देशों में हुए हमलों के बारे में जानकारी दी गई। संघर्ष वाले देशों में फंसे नागरिकों को लेकर एस जयशंकर ने कहा कि कल तक हमारे लगभग 67,000 नागरिक लौटने के लिए इंटरनेशनल बॉर्डर पार कर चुके हैं। वेस्ट एशिया से हमारे लोगों को वापस लाने की पूरी कोशिश की जा रही है। विदेश मंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई भारत के लिए "खास चिंता" का विषय है। एक करोड़ से ज्यादा भारतीय खाड़ी देशों में रहते हैं और काम करते हैं। ईरान में भी कुछ हजार भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए हैं। यह इलाका हमारी ऊर्जा सुरक्षा के लिए जरूरी है।

'सिर्फ सुप्रीम कोर्ट में तय होगा एसआईआर मामला'

टीएमसी ने चुनाव आयोग से सुनवाई न होने पर जताई नाराजगी

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि पार्टी की तीन सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल को बताया गया कि चूंकि इस मुद्दे पर टीएमसी सुप्रीम कोर्ट गई है, इसलिए यह वहां तय होगा और चुनाव आयोग का इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं है। बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू, विवेक जोशी और पश्चिम बंगाल के सीईओ मनोज अग्रवाल ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से न्यू टाउन, कोलकाता के एक होटल में चर्चा की।

महिला मंत्री ने उठाया सवाल

भट्टाचार्य ने कहा 'मैं महिला हूं और मुझसे कहा गया 'चिल्लाओ मत'। जब हम लोगों के अधिकारों की बात कर रहे हैं, तो हमें क्यों नहीं अपनी आवाज उठाने दी जा रही?' उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने बार-बार सुप्रीम कोर्ट में मामला होने का हवाला दिया। भट्टाचार्य ने सवाल उठाया अगर मामला सुप्रीम कोर्ट में है, तो हमें बैठक में बुलाने का क्या मतलब था? बुलाया है तो हमारी बातें क्यों नहीं सुनी जा रही हैं?

फर्जी आशंका और नागरिकों की परेशानियां

कोलकाता के मेयर फिरहाद हाकिम ने कहा कि बंगाल में घुसपैठियों की झूठी छवि बनाई जा रही है, जिससे असली भारतीय नागरिकों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि पिछले दो महीनों में कोई भी घुसपैठिया या रोहिंग्या नहीं पकड़ा गया, लेकिन सामान्य नागरिकों को लंबी कतारों में खड़ा किया जा रहा है, कई लोग बीमार पड़ गए और कुछ की मृत्यु हो गई। हाकिम ने कहा कि मतदान का अधिकार संवैधानिक अधिकार है और असली नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटाना असंवैधानिक होगा।

चुनाव आयोग से पार्टी की मांग

भट्टाचार्य और हाकिम ने कहा कि चुनाव आयोग से कितने चरणों में चुनाव कराने की मांग है, यह महत्वपूर्ण नहीं है। सबसे अहम यह है कि असली वोटर BJP के प्रभाव में आकर सूची से न हटें। टीएमसी प्रतिनिधि मंडल में पूर्व डीजीपी और राज्यसभा उम्मीदवार राजीव कुमार भी शामिल थे।

'आधी रात में याचिका लिखी थी क्या?' : पीआईएल में वकील ने ऐसा क्या कहा, जिससे नाराज हुआ सुप्रीम कोर्ट, लगा दी फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक वकील की तरफ से दायर किए गए पांच याचिकाओं को 'असंगत और बेवजह' बताते हुए पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (पीआईएल) खारिज कर दिए। इनमें से एक याचिका में मांग की गई थी कि यह जांच की जाए कि प्याज और लहसुन में 'तामसिक' यानी नकारात्मक ऊर्जा होती है या नहीं। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने वकील सचिन गुप्ता को फटकार लगाते हुए कहा कि क्या आप आधी रात को ये सारी याचिकाएं तैयार करते हो? सीजेआई ने इन याचिकाओं को अस्पष्ट, असंगत और बिना आधार वाली बताया।

इस पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची भी शामिल थे। उन्होंने वकील को कई पीआईएल दायर करने पर फटकार लगाई। बता दें कि प्याज और लहसुन वाली याचिका में यह भी कहा गया था कि जैन धर्म के लोग इसे 'तामसिक' भोजन मानते हैं और इन्हें नहीं खाते। इसपर सीजेआई ने पूछा कि आप जैन समुदाय की भावनाओं को क्यों आहत करना चाहते हैं?

वकील ने क्या दलील दी? सीजेआई की सख्त चेतावनी

सीजेआई के फटकार के बाद वकील ने जवाब दिया कि यह आम समस्या है और गुजरात में किसी ने खाने में प्याज इस्तेमाल करने पर तलाक भी लिया। इस पर सीजेआई ने सख्त नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर अगली बार आप ऐसी बेवजह याचिका लाएंगे, तो आप देखेंगे कि हम क्या करेंगे।

अन्य याचिका भी की खारिज

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने गुप्ता की तरफ से दायर चार अन्य पीआईएल भी खारिज कर दीं। इनमें से एक में शराब और तंबाकू उत्पादों में हानिकारक सामग्री को नियंत्रित करने की मांग थी, दूसरी में संपत्तियों के पंजीकरण को अनिवार्य करने की बात थी, और तीसरी में शास्त्रीय भाषाओं के घोषणा के लिए दिशा-निर्देश मांगने की याचिका थी।

'तीन से ज्यादा चरण में न हो मतदान', चुनाव आयोग के पैनल से मुलाकात कर भाजपा ने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य की सियासत में गर्माहट बढ़ गई है। राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। इसी बीच भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को नई दिल्ली में चुनाव आयोग के पूरे पैनल से मुलाकात की। इस दौरान पार्टी ने मांग की कि पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव अधिकतम तीन चरणों में कराए जाएं। इसके साथ ही पार्टी ने राज्य में हिंसा-मुक्त और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सख्त कदम उठाने की भी मांग की।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को 16 बिंदुओं की मांगों की सूची सौंपी। इसमें चुनाव से पहले राज्य की सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंता जताई गई। अधिकारियों के मुताबिक, बंगाल पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त एसएस संधु और विवेक जोशी सोमवार को अलग-अलग राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पार्टियों के प्रतिनिधियों से मिल रहे हैं और उनकी राय सुन रहे हैं।

जगन्नाथ चट्टोपाध्याय ने दी जानकारी

भाजपा नेता जगन्नाथ चट्टोपाध्याय ने बताया कि पार्टी ने आयोग से कहा है कि चुनाव एक, दो या अधिकतम तीन चरणों में कराए जाएं। उन्होंने कहा कि इससे ज्यादा चरणों में चुनाव कराने की जरूरत नहीं है। इसके साथ ही भाजपा ने राज्य में तैनात लगभग 400 कंपनियों की केंद्रीय सुरक्षा बलों को लेकर भी चिंता जताई। पार्टी का आरोप है कि इन बलों का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं हो रहा है और राज्य पुलिस ही उन्हें निर्देश दे रही है। भाजपा नेताओं का कहना है कि अगर राज्य में डर-मुक्त माहौल बनाना है तो चुनाव आयोग को ऐसे पुलिस और सरकारी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए, जो मतदाताओं को स्वतंत्र रूप से वोट डालने से रोकते हैं।

शिशिर बाजोरिया ने लगाए गंभीर आरोप

भाजपा नेता शिशिर बाजोरिया ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों की रूट मार्च संवेदनशील इलाकों के बजाय शांत इलाकों में कराई जा रही है। उनके अनुसार, कई जगह रूट मार्च ऐसी सड़कों पर हो रहा है जहां लोग नहीं रहते, सिर्फ गाड़ियां गुजरती हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव आयोग के नियमों के खिलाफ है। भाजपा ने चुनाव आयोग से यह भी अनुरोध किया कि चुनाव प्रक्रिया की अवधि कम की जाए। पार्टी का कहना है कि सात या आठ चरणों में चुनाव कराने की जरूरत नहीं है। इतना ही नहीं भाजपा ने आयोग से संवेदनशील मतदान केंद्रों (सेंसिटिव बूथ) की पहचान के नियमों में बदलाव की मांग की। पार्टी का सुझाव है कि जिन बूथों पर 85 प्रतिशत से ज्यादा मतदान होता है या जहां पहले चुनावों में हिंसा हुई है, उन्हें अपने आप संवेदनशील माना जाए और वहां अतिरिक्त सुरक्षा दी जाए।

ईरान में नया युग! मोजतबा खामेनेईबने देश के 'सुप्रीम लीडर', पिता की विरासत और हार्डलाइन नीतियों को बढ़ाएंगे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी भीषण युद्ध और अस्थिरता के बीच ईरान से एक बड़ी खबर सामने आई है। ईरान की सरकारी मीडिया और शक्तिशाली 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' ने दिवंगत अयातुल्ला अली खामेनेई के दूसरे बेटे, अयातुल्ला सैय्यद मोजतबा खामेनेई को आधिकारिक तौर पर इस्लामिक रिपब्लिक का नया सुप्रीम लीडर (सर्वोच्च नेता) नियुक्त कर दिया है। सरकारी ब्रॉडकास्टर 'प्रेस टीवी' द्वारा की गई यह घोषणा देश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है, जहाँ सत्ता का हस्तांतरण अब पिता से पुत्र के हाथ में चला गया है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, ईरान की ताकतवर असेंबली ऑफ़ एक्सपर्ट्स ने अयातुल्ला सैय्यद मोजतबा खामेनेई को इस्लामिक रिपब्लिक का नया सुप्रीम लीडर अपॉइंट किया है। सरकारी ब्रॉडकास्टर प्रेस टीवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर यह घोषणा की, जो देश में एक ऐतिहासिक और विवादित लीडरशिप ट्रांज़िशन को दिखाता है। ईरान के लंबे समय से सुप्रीम लीडर रहे अली खामेनेई के दूसरे सबसे बड़े बेटे मोजतबा खामेनेई, सालों से ईरान के पॉलिटिकल और धार्मिक सिस्टम में एक लो-प्रोफ़ाइल लेकिन असरदार इंसान रहे हैं। इस फ़ैसले के बाद, असेंबली ऑफ़ एक्सपर्ट्स ने ईरानियों से एकता बनाए रखने और नए अपॉइंट किए गए लीडर को अपना सपोर्ट देने का वादा किया। 8 सितंबर, 1969 को उत्तर-पूर्वी ईरानी शहर मशहद में जन्मे मोजतबा, खामेनेई परिवार के छह बच्चों में दूसरे नंबर के हैं। उन्होंने तेहरान के अलावी स्कूल से अपनी सेकेंडरी एजुकेशन पूरी की। 17 साल की उम्र में, उन्होंने ईरान-इराक युद्ध के दौरान कुछ समय के लिए सेना में काम किया।

मटर प्लांट में अमोनिया गैस का रिसाव, छह महिलाओं कर्मियों की हालत बिगड़ी, अन्य में मची भगदड़

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मंडी धनौरा (अमरोहा)। चांदपुर मार्ग पर ग्राम चुचैला कलां स्थित मटर फ्रोजन प्लांट में रविवार की दोपहर बाद अमोनिया गैस का रिसाव हो गया। गैस का रिसाव होते ही प्लांट के भीतर काम कर रहे कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। तमाम कर्मचारी दौड़कर बाहर आ गए। हालांकि छह महिलाओं की हालत बिगड़ गई। प्रबंधन ने महिला कर्मचारियों का चुचैला कलां के एक निजी अस्पताल में इलाज कराया।

घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। चांदपुर मार्ग पर अपराइट इनोवेटिव सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड नाम से मटर फ्रोजन प्लांट है। इस प्लांट में मटर के दाने को फ्रीज किया जाता है। रविवार की दोपहर बाद प्लांट से अमोनिया गैस का रिसाव हो गया। गैस रिसाव होते ही भीतर काम कर रहे कर्मचारियों को सांस लेने में दिक्कत होनी शुरू हो गई। गैस रिसाव होने की जानकारी मिलते ही प्लांट में काम कर रहे कर्मचारी दौड़ कर बाहर आ गए। लेकिन महिला कर्मचारियों को दिक्कत हुई। गैस के प्रभाव में आकर वे बेसुध हो गई। प्रबंधन से जुड़े लोग महिलाओं को लेकर गांव के एक निजी अस्पताल लेकर आए। वहां उनका उपचार कराया गया।

प्राथमिक उपचार के बाद महिला कर्मचारियों की हालत में सुधार होने पर प्रबंधन के लोग उनको किसी अज्ञात स्थान पर ले गए। प्लांट में गैस रिसाव की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची थी। प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह ने बताया कि प्लांट में गैस के रिसाव की सूचना मिली थी। उसमें दो महिला कर्मचारियों की हालत बिगड़ी थी। प्राथमिक उपचार के बाद तबीयत सही होने पर उनको घर भेज दिया गया है।

गैस रिसाव के बाद लोग दहशत में

मटर फ्रोजन प्लांट में गैस रिसाव के बाद सुरक्षा इंतजाम पर सवालिया निशान लगने शुरू हो गए हैं। गनीमत यह रही कि गैस रिसाव के बाद कोई गंभीर रूप से बीमार नहीं हुआ। हालांकि घटना के बाद आसपास के लोग दहशत में दिखाई दिए। रविवार की दोपहर बाद गैस रिसाव के बाद प्रबंधन ने पीड़ितों के उपचार के लिए प्रयास किए। लेकिन घटना के बाद लोग दहशत में रहे। ग्रामीणों ने बताया कि फैक्टरी चांदपुर मार्ग पर स्थित है।

गैस रिसाव के बाद कुछ देर के लिए वहां अफरा तफरी का माहौल रहा। प्रबंधन ने घटना को छिपाने के लिए प्रयास भी किए। लेकिन निजी अस्पताल के स्टाफ से घटना की जानकारी बाहर आ गई। चुचैला कलां के एक ग्रामीण ने बताया कि करीब छह माह पहले भी गांव के ही इरफान नामक युवक काम करने के दौरान प्लांट में घायल हो गया था। बाद में उसकी मौत हो गई थी।

पूर्व में भी जनपद में गैस रिसाव की घटनाएं हो चुकी हैं

जनपद में पहले भी गैस रिसाव की घटनाएं हो चुकी हैं। सामाजिक व किसान संगठन इसके खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं। लेकिन प्रशासन की ओर से कोई पुख्ता कार्रवाई नहीं की गई। गजरौला की औद्योगिक इकाइयों में गैस रिसाव की घटनाएं होती रही है। मटर फैक्टरी में हुई गैस रिसाव के बाद प्रशासन को भी इसके प्रति गंभीर होना होगा। वही दूसरी ओरमटर फ्रोजन प्लांट के प्रबंधक मनीष चौधरी का कहना है कि वह निजी कार्य से बाहर हैं। उनको घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

संगीतमयी श्रीराम चरितमानस कथा में उमड़ा आस्था का सागर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। "श्री नमो भगवते वासुदेवाय नमः" तथा "सच्चिदानन्दरूपाय विश्वोत्पत्यादिहेतवे, तापत्रयविनाशाय श्रीकृष्णाय वयं नुमः" जैसे मंगलमय मंत्रोच्चार के साथ आरंभ हुई संगीतमयी श्रीराम चरितमानस कथा में इन दिनों भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास का अनुपम वातावरण बना हुआ है। ग्राम सभा बीरईपुर में आयोजक के निवास स्थान पर लकी के जन्मदिन के पावन उपलक्ष्य में आयोजित इस दिव्य कथा में श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के जीवन चरित्र का रसपान कर स्वयं को धन्य अनुभव कर रहे हैं। तीन दिवसीय इस कथा का शुभारंभ 07 मार्च 2026, शनिवार को हुआ, जबकि 09 मार्च 2026, सोमवार को कथा का विश्राम होगा। प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से सायं 5 बजे तक चल रही इस कथा में क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ उपस्थित होकर प्रभु श्रीराम की लीलाओं का श्रवण कर रहे हैं। कार्यक्रम का आयोजन प्रबंधक ऊषा मिश्रा (पूर्व प्रधान) एवं रामशिरोमणि मिश्रा (पी डब्लू डी मेट) के सान्निध्य और मार्गदर्शन में किया गया है। कार्यक्रम के संरक्षक के रूप में जे.पी. मिश्रा (एम आर) तथा राम उजागिर मिश्र (कोटेदार) की प्रेरक भूमिका रही। कथा की व्यवस्थाओं का संचालन व्यवस्थापक आलोक मिश्रा द्वारा किया जा रहा है, जबकि कान्हा मिश्रा, कृष्णा मिश्रा, लकी पाण्डेय, आरबी मिश्रा, मनोज मामा, सौरभ मिश्रा सहित समस्त परिवार व मित्रगण सेवा, सहयोग और समर्पण के भाव से इस आयोजन को सफल बनाने में लगे हुए हैं। कथा का अमृतमय वाचन प्रयागराज से पधारे कथा व्यास श्री दण्डी स्वामी विनोद जी महाराज तथा वैभवम बाबा, अयोध्या द्वारा अत्यंत ओजस्वी, भावपूर्ण और विद्वत्तापूर्ण शैली में किया जा रहा है।

मिशन शक्ति चौपाल में महिलाओं को सुरक्षा व अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत रविवार को अखण्डनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा बेहरा भारी में महिला जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। अखण्डनगर थाने की महिला मिशन शक्ति टीम ने गांव की महिलाओं को एकत्रित कर शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं तथा महिला सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।

चौपाल के दौरान इंस्पेक्टर क्राइम राघवेंद्र यादव और सब इंस्पेक्टर श्री कृष्णा शुक्ला ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज की शक्ति भी है। ऐसे में उन्हें अपने अधिकारों, कानूनों और सुरक्षा से जुड़े साधनों की जानकारी होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की परेशानी, उत्पीड़न या आपात स्थिति में महिलाएं बिना किसी भय के पुलिस से संपर्क करें। इस अवसर पर महिलाओं को शासन द्वारा जारी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1090 (वुमेन पावर लाइन), 112 (आपातकालीन सेवा) और 181 (महिला हेल्पलाइन) के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा उन्हें इन नंबरों को अपने मोबाइल में सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित किया गया। महिला आरक्षी लक्ष्मी ने उपस्थित महिलाओं से संवाद करते हुए उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने, अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी समस्या की जानकारी तत्काल पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं। चौपाल के माध्यम से महिलाओं में सुरक्षा, जागरूकता और आत्मविश्वास का संदेश प्रसारित हुआ, जिससे मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्य को नई मजबूती मिली।

गौहत्या पर रोक और गौ को राज्य माता का दर्जा दिलाने के लिए सौंपा ज्ञापन

सुल्तानपुर। जनपद के युवाओं ने गौ को राज्य माता का दर्जा दिलाने और प्रदेश में गौहत्या पर रोक लगाने के संबंध में मुख्यमंत्री के नाम सिटी मजिस्ट्रेट प्रीति जैन को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर डॉक्टर सौरभ मिश्र विनम्र ने बताया कि हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति में बहुत पवित्र माना जाता है। इसे माता कहने के पीछे कई धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यावहारिक कारण हैं। यहां गौ को धार्मिक मानताओ के अनुसार उन्हें माता माना जाता है किंतु प्रदेश के अंदर में निरंतर बढ़ रही गो तस्करी की घटनाएं, चिंता जनक बताई उन्होंने बताया कि जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्रीः अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती महाराज जी गौ माता को राज्य माता दर्जा देने कि मांग का समर्थन किया। इस मौके पर अनमोल अग्रहरि ने बताया कि पूज्य शंकराचार्य पर सवाल खड़ा करना किसी भी प्रकार से सनातनी का कार्य नहीं है। गौ माता को राज्य माता दर्जा दिलाना शंकराचार्य कि नहीं इस मुद्दे पर सौ करोड़ हिंदुओं का भी समर्थन है।

महंत पर रेस्टोरेंट में नॉनवेज खाने का आरोप, वायरल वीडियो पर बवाल, लोगों ने बीच सड़क जमकर पीटा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक मंदिर की महंत की सरेराह पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है। दरअसल, महंत पर आरोप है कि उन्होंने सनातन धर्म का अपमान किया है। मंदिर के महंत होने बावजूद उन्होंने मीट की दुकान पर मीट खाया जिसका वीडियो और फोटो भी सामने आई हैं। फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर लोगों में आक्रोश भड़क गया। वहीं महंत को देख लोग उन पर टूट पड़े और जमकर पिटाई कर दी। पुलिस ने महंत को छुड़ाकर किसी तरह से उनकी जान बचाई।

कानपुर में सनातन धर्म के नाम पर लोगों की आस्था से खिलवाड़ करने वाले महंत की बीच सड़क जमकर पिटाई हो गई। महंत की पिटाई का वीडियो भी सामने आया है। दरअसल, कुछ दिन पहले कानपुर के इंदिरा नगर थाना कल्याणपुर क्षेत्र की एक चर्चित मीट की दुकान में मीट खाते हुए महंत का फोटो वायरल हुआ था। जिसके बाद कानपुर के रावतपुर इलाके में स्थित भूतेश्वर मंदिर के भक्ति आहत थे। वीडियो में दिख रहे कानपुर के भूतेश्वर मंदिर के महंत पूजा पाठ में पूरा दखल रखने वाले श्री प्रशांत गिरी जी महाराज उर्फ गोलू महाराज है। आरती समिति के प्रमुख के मीट खाते हुए वीडियो वायरल होने के बाद लोग उन्हें कई दिनों से तलाश रहे थे। आज जब यह सड़क पर दिखे तो उनके साथ लोगों ने जमकर मारपीट की। इससे पहले सोशल मीडिया पर उनकी मीट खाते हुए फोटो वायरल होने पर लोगों ने कई सवाल उठाए थे। इसके बाद, सनातन धर्म को मानने वाले भगवान भूतेश्वर मंदिर के भक्त बेहद नाराज थे। आज भक्तों की नाराजगी इस कदर निकली कि महंत को सड़क पर पकड़ जमकर पीटा। रावतपुर पुलिस ने महंत को भीड़ से निकाल कर उनकी जान बचाई, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

महंत की जमकर हुई पिटाई

फिलहाल रावतपुर थाना पुलिस पूरे प्रकरण में महंत के साथ हुई पिटाई के मामले में महंत की ओर से मिलने वाली तहरीर का इंतजार कर रही है। वहीं दूसरी ओर मंदिर के आरती प्रमुख गोलू महाराज उर्फ प्रशांत गिरी जी कि इस हरकत से भक्तों में बेहद गुस्सा और नाराजगी है।

मेरठ–हापुड़ मार्ग पर हादसे के बाद ज्वेलर्स की कार से बारह लाख का सोना चोरी

आर्यावर्त संवाददाता

खरखौदा (मेरठ)। मेरठ-हापुड़ हाईवे पर रविवार रात ग्राम नालपुर स्थित एनसीआर मेडिकल कालेज के पास ज्वेलर्स की कार व टेंपो में भिड़ंत हो गई। टेंपो चालक व कुछ लोगों ने ज्वेलर्स से मारपीट कर दी। बाद में दोनों पक्षों में समझौता हो गया। इसी दौरान किसी ने ज्वेलर्स की कार में रखा करीब बैग चोरी कर लिया। इसमें 12 लाख का सोना था।

पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामला संदिग्ध बताया तो ज्वेलर्स व स्वजन ने हंगामा कर दिया। आरोप है कि पुलिस मामले पर लीपापोती करने का प्रयास कर रही है। हालांकि पुलिस ने मामले की जांच की बात कही है।

बुलंदशहर जनपद के खुर्जा निवासी दीपांशु पुत्र जितेंद्र ने बताया कि उसकी खुर्जा में ज्वेलरी की दुकान है। रविवार शाम वह घंटाघर स्थित देव ज्वैलर्स से 12 लाख रुपये का करीब 80 ग्राम सोना कार से लेकर चला। कार मेरठ-हापुड़ हाईवे पर ग्राम नालपुर स्थित एनसीआर मेडिकल कालेज के पास पहुंची। तभी मेडिकल कालेज से निकले टेंपो से कार की भिड़ंत हो गई। आरोप है कि कुछ लोगों ने उससे मारपीट शुरू कर दी। हादसे के बाद दोनों पक्षों में समझौता हो गया। समझौते में टेंपो चालक ने ज्वेलर्स से आनलाइन 10 हजार रुपए लिए।

ज्वेलर्स ने बताया कि एक किमी आगे जाने पर उसने चेक किया तो कार से ज्वेलरी का बैग गायब था। उसने स्वजन व पुलिस को घटना की जानकारी दी। वह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सोना चोरी का मामला संदिग्ध बताया। इस पर पीड़ति के स्वजन ने जमकर हंगामा किया और पुलिस कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े किए। कार्रवाई के बजाए लीपापोती का आरोप लगाया।

पीड़ित ने थाने में घटना की तहरीर दी है। कार्यवाहक थाना प्रभारी हरिओम गौतम का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी.

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

बल्दीराय/सुलतानपुर। तहसील बल्दीराय क्षेत्र के सुख बड़ेरी के पूरे पंचम शुक्ल गांव स्थित काली माता के स्थान पर श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन से पूर्व रविवार को गाजे-बाजे के साथ भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे पूरे गांव में भक्तिमय वातावरण बन गया। पीले वस्त्र धारण किए महिलाएं सिर पर कलश रखकर मंगल गीत गाती हुई चल रही थीं। श्रद्धालुओं की सहभागिता से निकली यह शोभायात्रा पूरे गांव में आकर्षण का केंद्र बनी रही और जगह-जगह लोगों ने श्रद्धा भाव से स्वागत किया। कलश यात्रा कथा स्थल से प्रारंभ होकर हनुमान मंदिर, काली माता मंदिर, दुर्गा माता स्थान और सुखदेव बाबा मंदिर तक पहुंची। यात्रा के दौरान विभिन्न मंदिरों पर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की गई। इस अवसर पर दिनेश शुक्ला, राजकरन शुक्ला, सुधाकर, प्रहलाद सिंह, अभिनव वैभव, अंतिम, विवेक शुक्ला, नंदू मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

देवरिया में जिस बेटे के आने की थी खुशी, उसकी मौत की आई खबर, सऊदी अरब में गई जान

आर्यावर्त संवाददाता

गौरीबाजार, (देवरिया)। चार वर्ष बाद होली पर घर लौटने की खबर से परिवार में खुशियों की लहर दौड़ गई थी। माता-पिता, पत्नी व मासूम बच्चे उनकी राह देख रहे थे, लेकिन नियति को यह मिलन मंजूर नहीं था।

टिकट कराने के कुछ ही घंटे बाद सऊदी अरब में हुए हादसे ने उनकी जिंदगी छीन ली। खुशियों से भरा आंगन पल भर में मातम में बदल गया। घटना के 14 दिन से स्वजन शव के आने का इंतजार कर रहे हैं।

ग्राम पथरहट निवासी संत रामस्नेही दास के बड़े बेटे 35 वर्षीय सुरेंद्र कुमार परिवार के भरण-पोषण के लिए फरवरी 2022 में सऊदी अरब के जद्दा शहर में एक कंपनी में हैवी वाहन चालक के रूप में काम करने गए थे। चार वर्ष बाद होली पर घर आने का फैसला किया व 22 फरवरी को घर आने के लिए एक मार्च का टिकट भी करा लिया। घर लौटने की खबर सुनते ही परिवार में खुशी का माहौल था।

बताया जाता है कि 22 फरवरी की रात कंपनी में काम के दौरान अचानक भारी लोहे का शटर उनके सिर पर गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। अगले दिन 23 फरवरी की सुबह उसके एक मित्र ने फोन कर परिवार को घटना की सूचना दी। मृतक के पिता संत रामस्नेही दास, मां बिजली देवी व पत्नी शांति देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। उसकी तीन बेटियां सोनम (16), शालू (12) और दिव्या (9) तथा पांच वर्षीय बेटा सुबोधरत्न बार-बार पिता के बारे में पूछ रहे हैं। स्वजन के अनुसार, सुरेंद्र का छोटा भाई शशिमणि इस समय सऊदी में ही है और शव को भारत भेजने की प्रक्रिया में लगा है। शशिमणि ने बताया कि 11 या 12 मार्च तक शव घर पहुंचने की उम्मीद है। पिता ने बताया कि बेटे का शव शरीर गांव पहुंचने के बाद बौद्ध धर्म के अनुसार कुशीनगर में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

काछा भिटौरा (बहरिया) गांव में नि :शुल्क मोस्ट पाठशाला का हुआ उद्घाटन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। आज दिनाँक 09-03-2026 को विकास खण्ड मोतिगरपुर के बहरिया, काछा भिटौरा गांव में निःशुल्क मोस्ट पाठशाला का उद्घाटन किया गया। उक्त पाठशाला का संचालन सुदेशा सतीश निषाद एवं जगपाल निषाद के संरक्षण में किया जाएगा।

इस अवसर पर गांव के उपस्थित लोगों ने एक स्वर में हर सम्भव निःशुल्क मोस्ट कोचिंग सेंटर की देख-रेख और आवश्यक सहयोग प्रदान करने का भरोसा दिया। मोस्ट कल्याण संस्थान के निदेशक शिक्षक श्यामलाल निषाद "गुरुजी" ने कहा कि शिक्षा अनमोल है बच्चे सही दिशा में परिश्रम से बुलंदियों को छू सकते हैं लेकिन गाँव-गाँव बच्चों के पठन-पाठन का माहौल बनाने की जिम्मेदारी सभी सामाजिक लोगों को निभानी होगी।

उक्त अवसर पर प्रमिला निषाद एवं कंचन निषाद को सचिव मोस्ट महिला विंग तथा कमलावती, मालती एवं शीला निषाद को सदस्य मोस्ट महिला विंग एवं गणेश कुमार निषाद को संयोजक मोतिगरपुर चयनित किया गया। मोस्ट जनरल सेक्रेटरी ने कहा कि मोस्ट कल्याण संस्थान गाँव-गाँव निःशुल्क मोस्ट पाठशालाओं की स्थापना के लिए प्रतिबद्ध है उक्त अनुक्रम में मोस्ट महिला विंग की पदाधिकारी ज्यादा सक्रिय हैं। कार्यक्रम में मोस्ट प्रमुख जीशान अहमद, संयोजक जयसिंहपुर विवेक निषाद, प्रमुख महिला विंग नंदिनी बौद्ध, सह-संयोजक राधा निषाद, सचिव महिला विंग गायत्री निषाद, अंजू निषाद, अनीता, प्रभावती, संगीता, कुसुम, दिलीप बौद्ध सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

16 मार्च को लगेगा वृहद रोजगार मेला, 100 से अधिक कंपनियां करेंगी भर्ती

सुल्तानपुर। जिले के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्री विश्वनाथ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस कलान और जिला सेवायोजन कार्यालय सुल्तानपुर के संयुक्त तत्वावधान में 16 मार्च को वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला श्री विश्वनाथ पीजी कॉलेज कलान परिसर में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा। संस्थान के प्रबंध निदेशक डॉ. वेद प्रकाश सिंह ने बताया कि मेले में 100 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी और करीब 5000 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी।उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में रोजगार मेले में पहुंचकर अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। रोजगार मेले में 8वीं, 10वीं, 12वीं पास, आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक और परास्नातक तक की शैक्षिक योग्यता वाले अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं।

गोरखपुर अपहरण कांड : रेलवे स्टेशन के गेट नंबर चार से किशोरी को उठाया था, फुटेज से मिला सुराग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। होमगार्ड ने जैसे ही ई-रिक्शा चालक आकाश मिश्रा को पकड़ा, उसके दो साथी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तुरंत चार टीमें गठित कीं और कार्मल रोड से निकलने वाले 30 से अधिक सीसी कैमरों के फुटेज खंगालने शुरू कर दिए। फुटेज के आधार पर पता चला कि फरार हुए दोनों आरोपित पैदल भागे और फिर आटो पकड़कर अलग-अलग दिशाओं में चले गए।

कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने कुशीनगर के रहने वाले अजय जायसवाल को मोहद्दीपुर स्थित आरकेबीके के पास रामगढ़ताल किनारे से दबोच लिया, जहां जाकर वह छिप गया था। वहीं, शाहपुर के पादरीबाजार निवासी बजरंगी डोम अपने घर की ओर भाग गया था, जिसे पुलिस ने वहां से गिरफ्तार कर लिया। चार घंटे के अंदर पुलिस ने दोनों फरार आरोपियों को दबोच लिया।

मौके पर पकड़ा गया आकाश अपने फरार हुए साथियों के बारे में जानकारी देने से लगातार इनकार करता रहा। पूछताछ में कैंट थाना पुलिस को वह केवल इतना बता रहा था कि दोनों युवक स्टेशन पर मिले थे। वह दोनों की गेट नंबर चार के पास खड़ी किशोरी को अपने साथ लेकर आए थे।

अपहरण की शिकार हुई किशोरी अपना नाम, पता या परिवार के बारे में कुछ भी नहीं बता पा रही है। पुलिस के पूछने पर वह केवल फूट-फूट कर रोती रही, लेकिन एक शब्द भी नहीं बोली।

डाक्टरों के मुताबिक वह गहरे सदमे में है और उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। मेडिकल जांच में उसके शरीर पर किसी प्रकार की चोट के निशान नहीं मिले हैं, जिससे यह साफ हो गया है कि होमगार्ड की सतर्कता के कारण समय रहते उसे बचा लिया गया। मेडिकल के बाद पुलिस ने उसे बीआरडी मेडिकल कालेज के नेहरु अस्पताल स्थित मानसिक रोग विभाग में भर्ती कराया,जहां महिला पुलिसकर्मियों की देखरेख में उसका उपचार चल रहा है। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि गोरखपुर के अलावा आसपास के जिलों में दर्ज गुमशुदगी व अपहरण के मामले को देखा जा रहा है। आरोपित पहले भी इस तरह की वारदातों को अंजाम दे चुके हैं और इनका कोई आपराधिक इतिहास तो नहीं है इसकी भी जांच कराई जा रही है। होमगार्ड विजय प्रताप सिंह को इस सतर्कता और बहादुरी के लिए पुरस्कृत किया जाएगा।

संक्षेप

बंथरा क्षेत्र में व्यक्ति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र के ग्राम भदोई में एक व्यक्ति द्वारा घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 मार्च 2026 को रात लगभग 2 :29 बजे थाना बंथरा में पूनम, पुत्री जोगेन्द्र रावत, निवासी ग्राम भदोई ने लिखित सूचना दी कि उसी दिन रात करीब 12 :30 बजे उनके पिता जोगेन्द्र रावत, पुत्र स्वर्गीय रघुवीर, उम्र लगभग 45 वर्ष ने घर के कमरे में लगे छत के पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।सूचना मिलते ही थाना बंथरा की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है और परिजन गहरे सदमे में हैं।

टीले वाली मस्जिद के पास ई-रिक्शा स्टैंड पर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

लखनऊ। चौक थाना क्षेत्र में टीले वाली मस्जिद के सामने स्थित ई-रिक्शा स्टैंड पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पहचान के लिए मोर्चरी भेज दिया।पुलिस के अनुसार 9 मार्च 2026 को करीब 12 :30 बजे थाना चौक को सूचना प्राप्त हुई कि टीले वाली मस्जिद के सामने स्थित ई-रिक्शा स्टैंड पर एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज रूमी गेट पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।मौके पर पहुंचकर पुलिस ने देखा कि एक अज्ञात पुरुष, जिसकी उम्र लगभग 38 से 40 वर्ष के बीच प्रतीत हो रही है, मुंह के बल जमीन पर पड़ा हुआ था। प्रारंभिक जांच में मृतक के शरीर पर किसी भी प्रकार के स्पष्ट बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए।पुलिस ने मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन अब तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पहचान के लिए मोर्चरी हाउस भेज दिया।पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई भी की जा रही है।

हाउस टैक्स बकाया पर नगर निगम की सख्ती, तीन बड़े संस्थानों के भवन सील

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ ने गृहकर वसूली को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए बड़े बकाएदारों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में नगर आयुक्त गौरव कुमार और अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के निर्देश पर जोन-4 क्षेत्र में हाउस टैक्स के बड़े बकाएदार संस्थानों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए उनके भवनों को सील कर दिया गया।जोनल अधिकारी जोन-4 शिल्पा कुमारी के नेतृत्व में नगर निगम की टीम ने उर्दू टीचिंग एंड रिसर्च सेंटर, ट्रांसमिशन भवन तथा यूपीएसआईडीसी (उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम) के भवन पर कार्रवाई करते हुए उन्हें सील कर दिया। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार इन संस्थानों पर लंबे समय से गृहकर का भारी बकाया चल रहा था और कई बार नोटिस दिए जाने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया, जिसके बाद यह सख्त कदम उठाया गया।जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी ने बताया कि उर्दू टीचिंग एंड रिसर्च सेंटर पर कुल 1 करोड़ 23 लाख 93 हजार 473 .92 रुपये का गृहकर बकाया है। इसके अलावा ट्रांसमिशन भवन पर 22 लाख 22 हजार 501 रुपये तथा यूपीएसआईडीसी के भवन पर 52 लाख 735 .41 रुपये का गृहकर बकाया पाया गया। बार-बार नोटिस जारी करने और कर जमा करने के लिए समय दिए जाने के बाद भी भुगतान नहीं होने पर नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर नियमानुसार भवनों को सील कर दिया।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं समस्याएं, कहा- सभी को मिलेगा न्याय, अधिकारियों को दिए ये सख्त निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री स्वयं लोगों के बीच पहुंचे, उनके प्रार्थना पत्र लिए और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित, प्रभावी और पारदर्शी समाधान के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जन आकांक्षाओं के अनुरूप सेवा, सुरक्षा और सुशासन के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बिना किसी भेदभाव के सभी को न्याय मिलेगा और जनसमस्याओं का शीघ्र व प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। योगी ने जनपदों के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि हर शिकायत का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

जनता दर्शन के दौरान दो उद्यमियों ने अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के सामने रखीं। इस पर मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर यूपीसीडा और जिला प्रशासन को समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए बेहतर इकोसिस्टम तैयार किया गया है और सिंगल विंडो सिस्टम जैसी पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं।

उन्होंने कहा कि उद्यमियों को किसी भी स्तर पर परेशानी नहीं होनी चाहिए और उद्योग विकास में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। जनता दर्शन में आए एक पीड़ित ने पुलिस से जुड़ी शिकायत रखते हुए कार्रवाई में देरी का मुद्दा उठाया। इस पर मुख्यमंत्री ने संबंधित पुलिस अधीक्षक को मामले का तत्काल संज्ञान लेकर समयबद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एक अन्य प्रकरण पारिवारिक विवाद से जुड़ा था, जबकि अवैध कब्जे की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि ऐसे मामलों को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि प्रदेश सरकार आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और हर व्यक्ति को न्याय दिलाना सरकार की प्राथमिकता है।

ग्रीन एनर्जी का नया हॉटस्पॉट बना यूपी, गोरखपुर-रामपुर जिलों में शुरू ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाएं

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश स्वच्छ और वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य को ग्रीन एनर्जी हब के रूप में विकसित करने के लिए सरकार द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। प्रदेश के गोरखपुर और रामपुर जिलों में ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं, जो स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूत करेंगी।

यूपी नेडा के निदेशक इंद्रजीत सिंह ने बताया कि गोरखपुर में टोरेंट पावर द्वारा 0.5 मेगावाट क्षमता की ग्रीन हाइड्रोजन पायलट परियोजना स्थापित की जा रही है। इस परियोजना की उत्पादन क्षमता लगभग 9 किलोग्राम प्रति घंटा होगी। यह पायलट परियोजना राज्य में ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक के उपयोग का आकलन करने और इसके व्यावसायिक विस्तार की संभावनाओं को तलाशने के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कानपुर में पीएम सूर्य घर योजना पर जागरूकता कार्यक्रम

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने के उद्देश्य से पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (PHDCCI) और फर्स्ट व्यू ने उत्तर प्रदेश सरकार की संस्था यूपीनेडा के साथ मिलकर विकास भवन, कानपुर में पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना पर UPEX प्री-इवेंट जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में उद्योग जगत से जुड़े विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया और सौर ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते अवसरों, नीतियों तथा संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) दीक्षा जैन ने कहा कि उत्तर प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना और पीएम कुसुम योजना जैसे प्रयास घरों, किसानों और उद्योगों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जिससे सतत विकास और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती मिल रही है।प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए पीएचडीसीसीआई के सीनियर रीजनल डायरेक्टर अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि यूपी एनर्जी एक्सपो 2026 का आयोजन 7 से 9 मई 2026 तक लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय एक्सपो में भारत और विदेशों से 150 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे तथा 10 विशेष सत्रों में 60 से अधिक वक्ता नई तकनीकों, नीतियों और निवेश के अवसरों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि यह एक्सपो नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।संयुक्त निदेशक एमएसएमई वी.के. वर्मा ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र के लिए सौर ऊर्जा अपनाना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उद्योगों की लागत कम हो सकती है और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा। जिला उद्योग केंद्र कानपुर के महाप्रबंधक अंजनीश प्रताप सिंह ने कहा कि सौर ऊर्जा उद्योगों के लिए तेजी से किफायती विकल्प बनती जा रही है और इससे राज्य तथा देश के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। गोल्डी ग्रुप लिमिटेड के निदेशक सुदीप गोयनका ने कहा कि सौर ऊर्जा में अपार संभावनाएं हैं और यह ऊर्जा का बेहतर तथा टिकाऊ विकल्प है।इस अवसर पर यूपीनेडा कानपुर के परियोजना प्रबंधक राजेश कुमार पांडेय ने पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना और पीएम कुसुम योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत सौर ऊर्जा अपनाने में उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होने की क्षमता रखता है और इसमें व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।कार्यक्रम में केईआई इंडस्ट्रीज के कानपुर ब्रांच हेड अनुराग मिश्रा ने भी नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते अवसरों पर अपने विचार साझा किए।

ईद के बाद शुरू कराया जाए यूपी बोर्ड कॉपियों का मूल्यांकन : महेंद्र सिंह

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने राज्य सरकार से मांग की है कि यूपी बोर्ड हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य ईद-उल-फितर के बाद शुरू कराया जाए, ताकि शिक्षक अपने धार्मिक पर्व को सम्मानपूर्वक मना सकें। उन्होंने कहा कि सरकार को सभी धर्मों और समुदायों की भावनाओं का समान रूप से सम्मान करना चाहिए और ऐसा कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए जिससे किसी भी वर्ग को अपने त्योहार मनाने में कठिनाई हो।महेंद्र सिंह ने कहा कि जिस प्रकार हिंदू समाज के लिए होली और दीपावली अत्यंत महत्वपूर्ण और बड़े पर्व होते हैं, उसी प्रकार मुस्लिम समाज के लिए ईद भी बेहद पवित्र और महत्वपूर्ण त्योहार है। ऐसे में सरकार का दायित्व बनता है कि वह संवेदनशीलता के साथ निर्णय ले और शिक्षकों की धार्मिक भावनाओं का ध्यान रखे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा यूपी बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य 18 मार्च से शुरू कराने की तैयारी की जा रही है, जबकि इसी अवधि में 20 मार्च को अलविदा जुमे की नमाज और 21 मार्च को ईद-उल-फितर का महत्वपूर्ण पर्व पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि मूल्यांकन कार्य के दौरान प्रायः सार्वजनिक अवकाश भी निरस्त कर दिए जाते हैं और कई बार रविवार को भी शिक्षकों से कॉपियों की जांच कराई जाती है। ऐसी स्थिति में हजारों शिक्षक, विशेषकर मुस्लिम शिक्षक, अपने सबसे बड़े धार्मिक पर्व को परिवार और समाज के साथ पूरी तरह से नहीं मना सकेंगे। यह न केवल शिक्षकों की भावनाओं की अनदेखी होगी बल्कि सामाजिक समरसता की दृष्टि से भी उचित नहीं माना जा सकता।

घरेलू विवाद में बेटे ने डंडे से प्रहार कर पिता की हत्या की, आरोपी फरार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के ग्राम खुजेहटा में घरेलू विवाद के दौरान एक किशोर द्वारा अपने पिता पर डंडे से हमला कर उनकी हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना के बाद आरोपी पुत्र मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस टीमों द्वारा दबिश दी जा रही है।पुलिस के अनुसार 9 मार्च 2026 को करीब 11:30 बजे ग्राम खुजेहटा के ग्राम प्रधान शंकर यादव ने थाना मोहनलालगंज पर सूचना दी कि गांव निवासी रामकरन रावत, पुत्र नवमी लाल, उम्र लगभग 45 वर्ष की उनके ही पुत्र लव कुश, उम्र लगभग 17 वर्ष द्वारा सिर पर डंडे से प्रहार कर हत्या कर दी गई है।सूचना मिलते ही थाना मोहनलालगंज पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर पहुंचने पर पुलिस ने पाया कि रामकरन रावत का शव उनके घर के बाहर पड़ा हुआ था और मौके पर परिवारजन तथा गांव के अन्य लोग मौजूद थे। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि घरेलू विवाद के दौरान पुत्र लव कुश ने अपने पिता के सिर पर डंडे से प्रहार कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना के बाद आरोपी पुत्र मौके से फरार हो गया।घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी सहित थाना प्रभारी मोहनलालगंज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कराया जा रहा है, ताकि घटना से जुड़े सभी साक्ष्य एकत्र किए जा सकें।पूछताछ में यह भी जानकारी सामने आई है कि मृतक की पत्नी इन दिनों अपने मायके गई हुई है। मृतक के दो पुत्र हैं, जिनमें बड़ा पुत्र लव कुश, जो इस घटना का आरोपी बताया जा रहा है, की उम्र लगभग 17 वर्ष है, जबकि छोटा पुत्र विशाल रावत करीब 15 वर्ष का है। रामकरन रावत खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों से तहरीर प्राप्त कर मामले में मुकदमा दर्ज किया जाएगा। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई है और क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।

विदेश नीति पर सरकार स्पष्ट रुख बताए, कई बड़े मुद्दों पर संसद में हो चर्चा: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि केंद्र की सरकार ने देश की विदेश नीति को कमजोर कर दिया है और पहली बार ऐसा प्रतीत हो रहा है कि हमारी विदेश नीति पर बाहरी प्रभाव बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि देश के सामने कई गंभीर चुनौतियां हैं और इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में व्यापक चर्चा होनी चाहिए।संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान सोमवार को संसद परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार आत्मनिर्भरता की बात करती है, लेकिन वास्तविक स्थिति यह है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई फैसलों में भारत पर दबाव दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति चिंताजनक है और सरकार को अपनी विदेश नीति पर स्पष्ट रुख सामने रखना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर लखनऊ की नन्ही कथक नृत्यांगना गार्गी द्विवेदी सम्मानित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शहर में आयोजित गोल्डन वीमेन अवार्ड शो में लखनऊ की नन्ही कथक नृत्यांगना गार्गी द्विवेदी को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती अपर्णा बिष्ट यादव द्वारा प्रदान किया गया।

इंदिरा नगर स्थित सीएमएस की कक्षा दो की छात्रा गार्गी ने कम उम्र में ही कथक नृत्य के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा से सबका ध्यान आकर्षित किया है। मात्र 8 वर्ष की आयु में गार्गी राष्ट्रीय सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अब तक करीब 380 पुरस्कार अपने नाम कर चुकी हैं और उनका यह सफर निरंतर आगे बढ़ रहा है। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें कई राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय आयोजनों में भी सम्मानित किया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि शास्त्रीय नृत्य वर्ग में गार्गी दो बार राज्य स्तरीय स्वर्ण पदक हासिल कर चुकी हैं। इसके अलावा भारत सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा प्रयागराज में आयोजित राष्ट्रीय लोक नृत्य प्रतियोगिता में भी उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। वहीं गार्गी को राजभवन, लखनऊ में आयोजित कन्या पूजन कार्यक्रम में प्रस्तुति देने का अवसर भी मिला, जहां उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं।

महिला दिवस पर आरपीआई (आठवले) ने मनाया 'नारी शक्ति सम्मान 2026'

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 'नारी शक्ति सम्मान 2026' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लखनऊ, सीतापुर सहित कई जिलों में आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाने वाली महिलाओं को सम्मानित कर उनके योगदान को सराहा गया।कार्यक्रमों की श्रृंखला में मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता ने महिलाओं के साहस, आत्मविश्वास और समाज के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। उन्होंने विभिन्न जनपदों से आई महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की नारी हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का परिचय दे रही है और राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्त होने से ही समाज और देश का समग्र विकास संभव है।अपने संबोधन में उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन उस समाज की महिलाओं की प्रगति से किया जाता है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं के आत्मविश्वास और उत्साह को देखकर यह स्पष्ट होता है कि समाज सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहा है।राजधानी लखनऊ के गांधी भवन में आयोजित समारोह में समाज सेवा, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं सीतापुर सहित अन्य जनपदों में भी पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सक्रिय महिलाओं के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

हर्ष फायरिंग का वीडियो वायरल होने पर दो युवक गिरफ्तार

लखनऊ। जानकीपुरम थाना क्षेत्र में हर्ष फायरिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार वायरल वीडियो की जांच के बाद दोनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया गया और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।पुलिस के मुताबिक 9 मार्च 2026 को सोशल मीडिया पर हर्ष फायरिंग से संबंधित एक वीडियो वायरल होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही जानकीपुरम थाना पुलिस ने वीडियो की जांच शुरू की। जांच के दौरान वीडियो में फायरिंग करते दिखाई दे रहे व्यक्तियों की पहचान नीरज कुमार रावत और पंकज कुमार के रूप में हुई, जो ग्राम तिवारीपुर, थाना जानकीपुरम के निवासी हैं।इसके बाद उपनिरीक्षक नीलेन्द्र प्रताप पुलिस टीम के साथ ग्राम तिवारीपुर पहुंचे और दोनों से पूछताछ की।

मोबाइल छिनैती करने वाला शातिर युवक गिरफ्तार, लूटा गया मोबाइल बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। सर्विलांस टीम डीसीपी उत्तरी और थाना मड़ियांव की संयुक्त पुलिस टीम ने मोबाइल छिनैती करने वाले एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वादी का छीना गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है।पुलिस के अनुसार 30 जून 2025 को वादी कैलाश, निवासी बन्नौर थाना बीकेटी, लखनऊ ने शिकायत दी थी कि दो मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों ने उनका मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। इस संबंध में थाना मड़ियांव में ई-एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।8 मार्च 2026 को थाना मड़ियांव पुलिस टीम क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम महादेव होटल चौराहा क्षेत्र में मौजूद थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि राहगीरों से मोबाइल छीनने वाला एक युवक सेक्टर-ई स्थित यूपी महोत्सव मेला मैदान के पास मौजूद है।सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर नकुल कश्यप उर्फ संजय को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से ओप्पो कंपनी का एक मोबाइल फोन बरामद हुआ, जिसे वादी से छीना गया था। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धारा की वृद्धि भी की गई।पुलिस ने अभियुक्त को अपराध की जानकारी देते हुए 8 मार्च 2026 की रात करीब 11:30 बजे हिरासत में ले लिया। गिरफ्तारी के दौरान सर्वोच्च न्यायालय और मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन किया गया। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास के बारे में अन्य थानों और जनपदों से भी जानकारी जुटा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान नकुल कश्यप उर्फ संजय, पुत्र राजेश कश्यप, उम्र लगभग 19 वर्ष, निवासी सेक्टर-03 थाना जानकीपुरम (मूल पता सेक्टर-06, जानकीपुरम) के रूप में हुई है। वह पेशे से सैलून में नाई का काम करता है।इस कार्रवाई में सर्विलांस टीम डीसीपी उत्तरी के मुख्य आरक्षी संतोष कुमार, मुख्य आरक्षी अमित कुमार गौतम और आरक्षी राघवेन्द्र प्रताप सिंह तथा थाना मड़ियांव पुलिस टीम के उपनिरीक्षक अखिलेश कुमार, उपनिरीक्षक पुष्पेन्द्र चौधरी और मुख्य आरक्षी अशफाक शामिल रहे।

140 करोड़ लोगों का देश मात्र एक बाजार

कैसे दिल्ली एआई शिखर समिट भारत बिक्री का मेला था? पहली बात दुनिया ने जाना कि 140 करोड़ लोगों का देश मात्र एक बाजार है। उसकी बड़ी-बड़ी बातें, बड़े-बड़े मंहगे विश्वविद्यालय नकल की भी अक्ल लिए हुए नही हैं। डिग्रीधारी, रट्टामार इंजीनियरों, कर्मयोगियों की भीड़ है मगर कुशल एआई शोधकर्ताओं की संख्या तीन सौ से भी कम है। दुनिया की कथित तीसरी बड़ी आर्थिकी इतनी पोली और कड़की है जो वह अनुसंधान-विकास पर जीडीपी का सिर्फ 0.7 फीसदी खर्च करती है। पूरी भीड, पूरा बाजार और कंपनियां सभी विदेशी उत्पाद, मॉडल तथा ऐप के बूते जिंदा है। दुनिया में बाकी जगह कंपनियां कम से कम एआई उपयोग की कोशिश करती हैं वही भारत की 92 प्रतिशत कंपनियां विदेशी एआई मॉडल अपना चुकी हैं। टी20 क्रिकेट विश्व कप में भारत-पाकिस्तान मुकाबला हुआ तो उसके 45 करोड़ दर्शकों के बीच बेचने का सर्वाधिक विज्ञापन स्लॉट चैटजीपीटी का था। मतलब चैटजीपीटी भारत से सर्वाधिक कमाई का रोडमैप बनाए हुए है। तभी दुनिया की हर बड़ी कंपनी का टेक दिग्गज दिल्ली के मेले में दौड़ा आया। सब एकत्र हुए। और भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक कंपनियों के इन प्रमुखों के हाथ अपने साथ ऊपर उठवा कर मैसेज दिया देखो मेरे साथ भारत के खरीदारों का यह जमावड़ा। वैश्विक खरबपतियों ने मेरे से कितनी उम्मीदे पाली हुई है? मुझे मेरा ही देखा वह समय याद हो आया जब पिछली आईटी क्रांति में माइक्रोसॉफ्ट कंपनी अपने प्रोडक्ट की सरकारी बिक्री बढ़वाने के लिए डेमो, कार्यशालाएं आयोजत करती थी। तब भारत में बेचने का वह मार्केटिंग तंत्र था, जिससे प्रोडक्ट प्रस्तुति, डिप्लोमा कोर्स, सरकारी अनुबंध-बिक्री का लंबा-चौड़ा मार्केटिंग अभियान चला था। वैसा ही अब वैश्विक अमेरिकी कंपनियां अपना जाल, अपना नेटवर्क, अपनी चेन में 140 करोड़ की भीड को बंधक बनाने का ब्लूप्रिंट लिए हुए हैं। मैं सन् 1996 से लिखता आ रहा हूं कि भारत आईटी कुली पैदा करने के अलावा अपना कुछ भी नहीं बना रहा। सोचें, भारत सरकार, प्रदेश सरकारों, जनता सब कैसे माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस प्रोडक्ट, गूगल ईमेल, सर्च इंजिन, व्हाट्सऐप पर स्थायी आश्रित हो चुके है। आगे अमेरिकी एआई पर होंगे।

नया फेज एआई क्रांति है। दिमाग भन्ना गया यह सुन कर कि गूगल के सुंदर पिचई ने भारत के प्रधानमंत्री मोदी को पट्टी पढ़ाई और विश्वगुरू मोदी ने उन्हें एक 'कर्मयोगीÓ का जुमला दिया तो गूगल ने मौका लपका। भारत उद्धार की झांकी बनाते हुए दो करोड़ सरकारी कर्माचारियों को एआई के कृत्रिम दिमाग को अपनाने की ट्रेनिंग देने का ऐलान किया। सोचें, पहली बात, भारत का सरकारी कर्मचारी यदि 'कर्मयोगीÓ होता तो भारत का नागरिक लूटता और भारत मात्र बाजार बना होता? दूसरी बात, ये कर्मचारी पहले से ही सोशल मीडिया (वह भी तो प्रतिदिन सात घंटे ऑनलाइन का प्रतिनिधि है) से टाइमपास करते है तो दफ्तरों में मान्य चैटजीपीटी या गूगल चैट की सरकारी वैधता के बाद कर्मचारी क्या करेंगे? पूरी सरकार (मोदी के पीएमओ से लेकर पटवारी तक) इस फॉर्मूले में एआई का उपयोग करेंगे- एआई बताओं, लिखों राजस्व बढ़ाने का एक नोट, या लोगों को झूठ, भय, भूख, भक्ति में बांधने के उपाय! या लिखे डराने, धमकाने वाला नोटिस, सम्मन, एफआईआर, चार्जशीट का ऐसा मसौदा, जिसे पढ़ कर वकील के भी होश उड़ जाए! और नागरिक रिश्वत ले कर दौड़ा-दौड़ा आए! चेक करो फलां नागरिक के दिमाग का खाता, वह हजारों में रिश्वत देने में समर्थ है या लाखों-करोड़ों में! वसूली में किसकी, कैसी हैसियत है? पता है गूगल ने प्रधानमंत्री से यह भी वायदा किया है कि कंपनी सीधे अमेरिका-भारत के जुडाव के लिए समुद्र में केबल बिछाएगी। भला क्यों? ताकि गूगल या अन्य अमेरिकी कंपनियां डायरेक्ट केबल लिंक से भारत में बेचने का अपना ट्रैफिक, भारत से लूट की कमाई की प्राप्ति का आधुनिकतम पक्का रूप बना लें। सुंदर पिचई ने आंध्रप्रदेश के चंद्रबाबू नायडू, सरकार के माईबाप जगत सेठ अडानी को भी पटा कर यह बड़ा ऐलान, सौदा पकवा दिया है कि गूगल भारत में विशाल डेटा सेंटर बनाएगी! किसलिए यह इंफ्रास्ट्रक्चर? ताकि सरकार, अडानी, अमेरिकी कंपनी बाजार की प्रोसेसिंग मतलब नियंत्रक, रेवेन्यू ट्रांसफर आदि सभी पहलुओं में स्वदेशी इंफ्रास्ट्रक्चर से बेधड़क काम करती रहे। अब जरा इतिहास याद करें। पता है आपको आगरा के जहांगीर दरबार में ऐसे ही एक अंग्रेज ने भारत के बाजार को बूझते हुए सूरत में अपना व्यापारी गोदाम बनाया था। फिर उस छोटी सी अनुमति से भारत की लूट का इतिहास बना। उस इतिहास और आज के समय का बेसिक फर्क मात्र यह है कि हिंदुस्तान की नस्ल-कौम के दिमाग में तब फिर भी कुछ जैविक बुद्धि बची हुई थी। तभी दयानंद सरस्वती, तिलक, लाल-बाल-पाल तब स्व, स्वराज, स्वदेश के विचार दे बैठे थे। जबकि आज 2026 में वह सब लुप्त है। आज दिमाग पूरी तरह झूठ, नकल, जुगाड और कृत्रिम विश्वगुरूता का खोखा है।

लोगों को मूर्ख बनाने का मौका

अजीत द्विवेदी

बिहार में कोई काम नहीं है। सचमुच कोई काम नहीं है। शराबबंदी ने जरूर कुछ लोगों को काम पर लगाया है, जैसे स्कूली बच्चे और बच्चियां अपने स्कूल बैग में शराब की बोतलें ढो रहे हैं। जमीन के कारोबार में भी कुछ भी लोग लगे हैं। हालांकि इनमें भी ज्यादातर काम फर्जीवाड़े का है। जिन लोगों के पास सरकारी नौकरी है उनकी बात छोड़ दें तो अधिकतर परिवार खेती पर आश्रित हैं। घरों में बूढ़े बचे हुए हैं, जो बाहर कमाने वाले अपने बच्चों की ओर से पैसे आने का इंतजार कर रहे होते हैं।

लगभग हर परिवार से एक या उससे ज्यादा व्यक्ति बाहर हैं। जो गरीब है, अक्षम है उसके बच्चे कमाने गए हैं और जो सक्षम है उसके बच्चे पढ़ने गए हैं या पढ़ लिख कर बाहर ही सेटल हो गए हैं। भयावह स्थिति है बिहार में।

लगभग हर परिवार से एक या उससे ज्यादा व्यक्ति बाहर हैं। जो गरीब है, अक्षम है उसके बच्चे कमाने गए हैं और जो सक्षम है उसके बच्चे पढ़ने गए हैं या पढ़ लिख कर बाहर ही सेटल हो गए हैं। भयावह स्थिति है बिहार में। लेकिन सरकार के मुखिया नीतीश कुमार पूरी तरह से गाफिल हैं। उनको न अपनी सुध बुध है और न सरकार की। उनके बदले में जो लोग सरकार चला रहे हैं सब सत्तालोलुप और स्वार्थी लोग हैं, जिन्हें बिहार की बेहतरी से कोई मतलब नहीं है।

वैसे बिहार की यह दुर्दशा पिछले करीब चार दशक से है लेकिन अब स्थिति और खराब हो गई है। लेकिन इसमें भी नेता बिहार के लोगों को मूर्ख बनाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। पिछले साल दिसंबर में जब एनडीए को दो सौ सीटों से ज्यादा का बहुमत मिला और सरकार बनी तो कैबिनेट की पहली बैठक में बिहार में सेमीकंडक्टर हब बनाने, आईटी सिटी बनाने, सेटेलाइट शहर विकसित करने जैसे बड़े प्रस्ताव पास किए गए। लोगों को लगा कि अब उनका जीवन बदलने वाला है। लेकिन बजट आया तो उसमें ऐसा कुछ नहीं था, जिससे लगे कि बिहार में कुछ बदलने का प्रयास होगा। अगले साल का बिहार का बजट तीन लाख 47 हजार करोड़ रुपए का है, जिसमें से 74 फीसदी हिस्सा केंद्रीय करों में हिस्से के रूप में और केंद्र से अनुदान के रूप में मिलेगा। सोचें, बिहार अपने राजस्व से अपने बजट का सिर्फ 26 फीसदी हिस्सा जुटा पाता है। इसमें भी टैक्स और नॉन टैक्स राजस्व कुल 65 हजार करोड़ रुपए का ही है। बिहार पर चार लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज है। सरकार का सारा पैसा वेतन, भत्ते, पेंशन, कर्ज का ब्याज आदि चुकाने में खर्च होता है। सरकार के पास राजस्व बढ़ाने की कोई दृष्टि नहीं है और न कोई राजनीतिक इच्छाशक्ति है। नीति आयोग के आंकड़ों की याद दिलाने की जरुरत नहीं है कि विकास के हर मानक पर बिहार सबसे नीचे है।

ऐसी वित्तीय स्थिति वाले राज्य में जब नया हवाईअड्डा बनाने की बात सुनाई दे तो कैसा महसूस होगा? बिहार के लोग राजनीतिक रूप से बहुत जागरूक बताए जाते हैं। लेकिन पता नहीं ऐसे मामलों में उनकी जागरूकता कहां चली जाती है? पिछले दिनों बिहार सरकार ने कैबिनेट की बैठक में पटना से सटे सोनपुर में एक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण का ऐलान किया। कहा गया कि इसके लिए 42 सौ एकड़ जमीन का अधिग्रहण होगा। जमीन अधिग्रहण के लिए 1,302 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। दावा किया गया कि यह नवी मुंबई के एयरपोर्ट की तरह होगा। सोनपुर में प्रस्तावित हवाईअड्डे का बजट चार हजार करोड़ रुपए से कुछ ज्यादा का है। सवाल है कि बिहार जैसे राज्य की प्राथमिकता में पटना के बगल में एक और हवाईअड्डा बनाने की बात कैसे आ सकती है? किसी भी समझदार और बिहार के प्रति ईमानदारी व्यक्ति को बिहार के लिए जरूरी एक हजार कामों की सूची बनाने को कहा जाए तो उसमें भी हवाईअड्डे को निर्माण को जगह नहीं मिलेगी। लेकिन यहां सरकार की पहली प्राथमिकता हवाईअड्डा बनाने की दिख रही है! यह कितना गैरजरूरी है इसे बिहार के हवाईअड्डों की स्थिति और हवाई यात्रियों की संख्या से समझा जा सकता है। सोनपुर में जहां नया हवाईअड्डा प्रस्तावित किया गया है वह पटना हवाईअड्डे से अधिकतम 25 किलोमीटर की दूरी पर है। सो, पहला सवाल तो यही है कि पटना हवाईअड्डे से 25 किलोमीटर दूर एक और हवाईअड्डा क्यों बनाना है? क्या पटना हवाई ट्रैफिक का लोड नहीं उठा पा रहा है? क्या सोनपुर कोई बड़ा औद्योगिक शहर है, जहां दुनिया भर से लोग आते हैं और जहां से लाखों टन माल की आपूर्ति होती है? सोनपुर क्या कोई गिफ्ट सिटी है? कोई साइबर सिटी है? ऐसा कुछ नहीं है! फिर भी वहां ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे का प्रस्ताव है, जिसे 2030 तक बना देना है। हालांकि सबको पता है कि कुछ नहीं होगा। कोई हवाईअड्डा नहीं बनेगा। सिर्फ इतना होगा कि आसपास की जमीनें महंगी हो जाएंगी और कुछ शरीफ लोग जमीनों में फर्जीवाड़ा करने वालों के जाल में फंस जाएंगे। ऐसा मानने के कई कारण हैं। पहला कारण तो यह है कि बिहार में हवाई जहाज पर चढ़ने वाले लोगों की संख्या बहुत कम है। पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से हर दिन नौ से 10 हजार लोग औसतन सफर करते हैं। राज्य के दूसरे सबसे बड़े एयरपोर्ट दरभंगा हवाईअड्डे से हर दिन दो से ढाई हजार लोग सफर करते हैं। सोचें, यह उत्तर बिहार का इकलौता एयरपोर्ट है। तिरहुत और सारण दोनों कमिश्नरी के अलावा कोशी का पूरा इलाके इसके दायरे में आता है। बिहार चुनाव से पहले पूर्णिया में हवाईअड्डा बना। वहां का रोज का ट्रैफिक पांच से सात सौ यात्रियों का है। वहां प्री फैब्रिकेटेड मैटेरियल से हवाईअड्डा बना हुआ है। दोनों हवाईअड्डों पर बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। पटना से दूसरी तरफ चलेंगे तो बिहटा में हवाईअड्डा बनने की बात बरसों से चल रही है तो गया का इंटरनेशनल एयरपोर्ट चल रहा है। गया जैसे शहर में, जहां पूरे दक्षिण बिहार का इकलौता हवाईअड्डा है और बोधगया, राजगीर जैसे टूरिस्ट प्लेस हैं, बौद्ध धर्म का सबसे बड़ा तीर्थस्थल है और फिर भी गिनती की उड़ानें संचालित होती हैं। वहां कुल नौ सौ से एक हजार यात्री हर दिन सफर करते हैं। इस तरह राज्य में संचालित चार हवाईअड्डों से औसतन 13 से 14 हजार लोग हर दिन सफर करते हैं यानी महीने में चार लाख और साल में 50 लाख से कुछ कम।

इतना कम हवाई ट्रैफिक का कारण यह है कि बिहार में लोगों की आर्थिक स्थिति हवाई जहाज में उड़ने की नहीं है। दूसरी बात यह है बिहार में न तो कोई औद्योगिक गतिविधि है, न कारोबारी गतिविधि है, न शैक्षिक या सांस्कृतिक गतिविधि है फिर हवाई जहाज से कौन आएगा या जाएगा! क्या बिहार के नेता समझ रहे हैं कि हवाईअड्डा खुल जाएगा तो होली, दिवाली में या शादी के सीजन में ट्रेनों से लद कर जाने वाले लोग हवाई जहाज से जाने लगेंगे? ऊपर से यह बेहूदा दावा किया गया कि नवी मुंबई जैसा हवाईअड्डा बना देंगे। सोचें, नवी मुंबई पर पहले चरण में सालाना दो करोड़ यात्रियों को हैंडल करने की व्यवस्था है, जबकि बिहार के चार हवाईअड्डे पर दिन में औसतन 13 से 14 हजार और साल में 50 लाख से कम यात्री आते जाते हैं।

कहां नवी मुंबई एयरपोर्ट पर पहले चरण में दो करोड़ और कहां पूरे बिहार में 50 लाख यात्री! इस हकीकत के बावजूद सोनपुर में एक और हवाईअड्डा बनाने की घोषणा हो गई। सोचें, बिहार में केंद्रीय विद्यालय खोलने के लिए नीतीश कुमार ने जमीन देने से मना कर दिया था। उपेंद्र कुशवाहा जब केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री थे तब उन्होंने कई केंद्रीय विद्यालय मंजूर कराए थे। लेकिन नीतीश कुमार ने कहा कि उनके पास एक केंद्रीय विद्यालय के लिए पांच एकड़ जमीन देने के लिए नहीं है। अब वही नीतीश कुमार सरकार कह रही है कि 42 सौ एकड़ जमीन हवाईअड्डा के लिए देंगे! ध्यान रहे जमीन का अधिग्रहण बिहार के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। असल में जब नेताओं के पास कुछ करने को नहीं होता है तो वे इस तरह की बातों में लोगों को उलझाते हैं। पहले बिहार के नेता दिल्ली के सत्ता गलियारे में फाइल लेकर सिर्फ इसलिए घूमते थे कि अपने चुनाव क्षेत्र में कहीं ट्रेन का स्टॉपेज करा देंगे, कोई नया स्टेशन बनवा दें या कोई नई ट्रेन चलवा दें। वहीं नेता अब हर शहर में हवाईअड्डा खोल रहे हैं।

टिप्पणी

सुर्खियां बनाने की रणनीति

ज्यादा चर्चा गलगोटिया के गड़बड़झाले की ही हुई है, लेकिन बाकी अनेक निजी विश्वविद्यालयों की स्थिति भी बेहतर नहीं है। उन्होंने भी वास्तविक अनुसंधान और आविष्कार पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय चौंकाने वाली सुर्खियां बनाने की रणनीति अपना रखी है।

एआई समिट के दौरान गलगोटिया विश्वविद्यालय को लेकर उठे विवाद का अच्छा असर यह है कि इससे भारत में प्राइवेट यूनिवर्सिटीज के रंग-ढंग पर लोगों का ध्यान गया है। हालांकि मीडिया और सोशल मीडिया पर ज्यादा चर्चा गलगोटिया के गड़बड़झाले की ही हुई है, लेकिन इस ओर भी ध्यान गया है कि बाकी अनेक निजी विश्वविद्यालयों की स्थिति भी बेहतर नहीं है। उन विश्वविद्यालयों ने भी वास्तविक अनुसंधान और आविष्कार पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय बनावटी उपलब्धियों के जरिए चौंकाने वाली सुर्खियां बनाने की रणनीति अपना रखी है। बाजार में ये रणनीति दो लिहाज से कारगर रहती है। एक तो इससे दाखिले की दौड़ में शामिल छात्रों को लुभाने में कामयाबी मिलती है, दूसरे ये संस्थान सरकारी अनुदान का भी फायदा उठा ले जाते हैं।

इसी मकसद से पेटेंट अर्जियों की संख्या को उन्होंने पैमाना बनाया है। इसे बढ़ा-चढ़ा कर प्रचारित किया जाता है कि संस्थान ने कितनी ऐसी अर्जियां दाखिल कीं। जबकि उन अर्जियों का अंजाम क्या हुआ, इसे छिपा लिया जाता है। मसलन, 2020 से 2025 तक लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने 7,096 पेटेंट अर्जियां दाखिल कीं। मगर उनमें से सिर्फ 164 पर पेंटेट हासिल हुआ। मतलब 2.3 प्रतिशत अर्जियां ही सफल रहीं। कमोबेस यही हाल बाकी तमाम प्राइवेट यूनिवर्सटीज का भी है। अगर इनकी तुलना पहले से प्रतिष्ठित आईआईटी, एनआईटी या इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस जैसे सरकारी संस्थानों से की जाए, तो उनकी अर्जियों की संख्या काफी कम नजर आएगी, जबकि सफलता दर अतुलनीय रूप से ऊंची दिखेगी।

2020-25 की अवधि में इन तमाम संस्थानों की सफलता दर 40 प्रतिशत से ऊपर रही। जाहिर है, ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि उन संस्थानों में अर्जी परीक्षण की ठोस व्यवस्था है। बहरहाल, अगर प्राइवेट यूनिवर्सिटीज ने पेटेंट मिलने के बजाय अर्जी को उपलब्धि का पैमाना बनाया है, तो इसके लिए वे अकेले दोषी नहीं हैं। भारत सरकार ने 2021 में पेंटेट कानून में संशोधन कर अर्जी दाखिल करना आसान बना दिया था। संभवतः इसलिए कि नरेंद्र मोदी सरकार भी कुछ हासिल करने के बजाय इम्प्रेशन बनाने को अधिक अहमियत देती है। नतीजा, एआई समिट के दौरान हुई बदनामी है। क्या सरकार इससे सबक लेगी?

ब्लॉग

युद्ध देखते देखते भारत के दरवाजे तक पहुँच गया, दक्षिण एशियाई देशों की चिंता बढ़ी

नीरज कुमार दुबे

हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर नई चिंता उभर कर सामने आई है क्योंकि अमेरिकी पनडुब्बी ने श्रीलंका के निकट अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया। इस घटना ने न केवल श्रीलंका बल्कि पूरे दक्षिण एशिया और विशेष रूप से भारत की सामरिक स्थिति पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना इस बात का संकेत है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष अब फारस की खाड़ी से निकल कर हिंद महासागर तक पहुंच गया है, जिसके दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। इस मुद्दे को लेकर राजनीति भी शुरू हो गयी है जहां श्रीलंका के सांसद इस मुद्दे पर अपनी सरकार से सवाल पूछ रहे हैं वहीं भारत में लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधा सवाल पूछा है।

हम आपको बता दें कि ईरान का युद्धपोत डेना बुधवार को उस समय डूब गया जब अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा दागा गया जल गोला उससे टकरा गया। यह घटना श्रीलंका के खोज और बचाव क्षेत्र के भीतर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में हुई। श्रीलंका की नौसेना को युद्धपोत से संकट संदेश प्राप्त हुआ जिसके बाद बचाव अभियान चलाया गया। श्रीलंकाई नौसेना ने अब तक 87 शव बरामद किए हैं और 32 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। कई अन्य नाविक अभी भी लापता बताए जा रहे हैं और उनकी खोज के लिए अभियान जारी है।

हम आपको बता दें कि यह घटना श्रीलंका के प्रमुख बंदरगाह नगर गाले से लगभग चालीस किलोमीटर दक्षिण में हुई। यह स्थान फारस की खाड़ी से काफी दूर है, जहां ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष चल रहा है। इसलिए इस घटना ने यह संकेत दिया है कि समुद्री संघर्ष का दायरा तेजी से फैल रहा है।

वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक संदेश के माध्यम से कहा है कि दुनिया इस समय अत्यंत अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुकी है और आने वाले समय में हालात और कठिन हो सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ईरान का युद्धपोत हिंद महासागर में डूबने की घटना यह दर्शाती है कि यह संघर्ष अब भारत के आसपास के समुद्री क्षेत्र तक पहुंच गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे कठिन समय में देश को मजबूत और संतुलित नेतृत्व की आवश्यकता होती है, लेकिन सरकार की ओर से स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि भारत की सामरिक स्वायत्तता को बनाए रखना इस समय अत्यंत आवश्यक है।

दूसरी ओर, श्रीलंका के सांसद नामल राजपक्षे ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा है कि यह केवल श्रीलंका की ही नहीं बल्कि पूरे हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। उनका कहना है कि युद्ध भले ही हजारों किलोमीटर दूर चल रहा हो, लेकिन उसके प्रभाव अब हिंद महासागर में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के तट से लगभग चालीस किलोमीटर दूर इस प्रकार की सैन्य गतिविधि यह दर्शाती है कि वैश्विक शक्तियों का संघर्ष अब इस समुद्री क्षेत्र तक फैल रहा है।

श्रीलंकाई सांसद नामल राजपक्षे ने श्रीलंका की सरकार से यह भी सवाल किया है कि क्या उसे इस सैन्य कार्रवाई की पहले से जानकारी थी? उनका कहना है कि सरकार को देश की जनता और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह इस हमले से पहले अवगत थी या नहीं? उन्होंने कहा कि यदि सरकार को पहले से जानकारी थी तो उसे यह बताना चाहिए कि ऐसी गतिविधि को लेकर कौन से कदम उठाए गए?

उन्होंने यह भी कहा कि यदि श्रीलंका को इस प्रकार की सैन्य गतिविधि की सूचना नहीं दी गई थी तो यह और भी गंभीर विषय है, क्योंकि इससे छोटे देशों की समुद्री संप्रभुता और सुरक्षा पर प्रश्न खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी बड़े देश की सैन्य कार्रवाई श्रीलंका के आसपास के जल क्षेत्र में होती है तो इस पर खुली चर्चा और पारदर्शिता आवश्यक है। राजपक्षे ने दक्षिण एशियाई देशों के बीच व्यापक संवाद की भी आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों को मिलकर हिंद महासागर की सुरक्षा पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कानून और प्रत्येक देश की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि बड़े देशों के बीच संघर्ष छोटे देशों के आसपास के समुद्री क्षेत्रों में फैलता है तो इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता प्रभावित हो सकती है।

दूसरी ओर अमरीकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस हमले की पुष्टि करते हुए कहा है कि अमेरिकी पनडुब्बी ने अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में मौजूद एक ईरानी युद्धपोत को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि ईरान की नौसैनिक शक्ति को सीमित करना उसकी रणनीति का महत्वपूर्ण भाग है।

देखा जाये तो हिंद महासागर में इस प्रकार की सैन्य कार्रवाई के कई महत्वपूर्ण सामरिक निहितार्थ हैं क्योंकि यह क्षेत्र विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के बीच होने वाला विशाल व्यापार इसी समुद्री मार्ग से गुजरता है। यदि यहां सैन्य तनाव बढ़ता है तो वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही भारत के लिए यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। हिंद महासागर भारत की समुद्री सुरक्षा और आर्थिक हितों का मुख्य क्षेत्र है। यदि बाहरी शक्तियों का संघर्ष इस क्षेत्र में बढ़ता है तो भारत को अपनी नौसैनिक उपस्थिति और सामरिक सतर्कता बढ़ानी पड़ सकती है।

इसके अलावा, छोटे तटीय देशों जैसे श्रीलंका, मालदीव और बांग्लादेश के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है। ये देश बड़ी शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते हैं, लेकिन यदि सैन्य टकराव उनके आसपास होने लगे तो उनकी सुरक्षा और कूटनीतिक स्थिति कठिन हो सकती है। साथ ही इस घटना से यह भी संकेत मिलता है कि भविष्य के युद्ध केवल सीमित क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि समुद्र के विशाल क्षेत्रों में फैल सकते हैं। इससे हिंद महासागर आने वाले समय में वैश्विक शक्ति संतुलन का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

बहरहाल, श्रीलंका के निकट हुई यह घटना इस बात का संकेत है कि पश्चिम एशिया का संघर्ष अब व्यापक समुद्री क्षेत्र तक फैल सकता है। ऐसे में दक्षिण एशियाई देशों के लिए आवश्यक है कि वह मिलकर क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करें और संभावित संकटों के लिए तैयार रहें।

बरेली से पंजाब तक करता था स्मैक सप्लाई, एजेंसियों को लग गई भनक, कैसे पकड़ा गया तस्कर?

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) को बड़ी सफलता मिली है। टीम ने बदायूं के एक स्मैक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से ढाई किलो से ज्यादा स्मैक पाउडर बरामद किया है। पकड़ा गया आरोपी लंबे समय से नशे की तस्करी में शामिल बताया जा रहा है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

एएनटीएफ की इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी अपने एक रिश्तेदार के साथ स्मैक लेकर जा रहा था, लेकिन कार्रवाई के दौरान उसका साथी मौके से भागने में कामयाब हो गया। पुलिस अब उसकी भी तलाश कर रही है।

मुखबिर की सूचना पर हुई कार्रवाई

एएनटीएफ टीम के प्रभारी विकास यादव ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि बदायूं जिले के मूसाझाग थाना क्षेत्र के सैंजनी गांव का रहने वाला शोभित गुप्ता स्मैक की बड़ी खेप लेकर बरेली की तरफ आ रहा है। सूचना मिलते ही टीम सक्रिय हो गई और बरेली-बदायूं हाईवे पर नजर रखनी शुरू कर दी।

पुलिस टीम ने रोंधी गांव जाने वाले मार्ग के पास घेराबंदी कर दी। कुछ देर बाद संदिग्ध युवक वहां पहुंचा तो पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 2।645 किलो स्मैक पाउडर बरामद हुआ। इतनी बड़ी मात्रा में स्मैक मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन और 560 रुपये नकद भी बरामद हुए हैं। बरामद स्मैक की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में काफी अधिक बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि इतनी बड़ी खेप पकड़े जाने से नशे के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है।

पंजाब तक करता था सप्लाई

गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। पुलिस के मुताबिक शोभित गुप्ता ने बताया कि वह काफी समय से स्मैक की तस्करी कर रहा था। वह बदायूं और बरेली के रास्ते पंजाब और आसपास के इलाकों में स्मैक की सप्लाई करता था। आरोपी ने पुलिस को बताया कि इस धंधे में उसे अच्छा मुनाफा मिल जाता था, इसलिए वह लगातार इस काम में लगा हुआ था। पुलिस अब यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसे स्मैक कहां से मिलती थी और वह किन-किन लोगों के संपर्क में था।

कार्रवाई के दौरान आरोपी का एक रिश्तेदार भी उसके साथ मौजूद था, लेकिन पुलिस को देखकर वह मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी पहचान कर चुकी है और उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। सुभाषनगर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उसे अदालत में पेश करने की तैयारी की जा रही है। साथ ही फरार रिश्तेदार और इस तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में नशे के खिलाफ अभियान लगातार चलाया जा रहा है। जो भी व्यक्ति नशे की तस्करी में शामिल पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं इतनी बड़ी मात्रा में स्मैक बरामद होने के बाद पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुट गई है।

प्रेमिका से मिलने बुलंदशहर पहुंचा युवक, बिगड़ी गई तबीयत... अस्पताल में शव छोड़कर भागी गर्लफ्रेंड

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वह अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए बागपत से बुलंदशहर आया था। वह दोनों एक होटल में ठहरे थे। इस दौरान प्रेमी ने कोई यौन शक्ति वर्धक दवा गई थी, जिसके ओवरडोज होने के कारण युवक की तबीयत अचानक काफी बिगड़ गई। प्रेमिका उसे लेकर तुरंत जिला अस्पताल पहुंची, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान 32 वर्षीय विनोद कुमार के तौर पर हुई है, जो कि बागपत के थाना बिनौली क्षेत्र के फतेहपुर पुती गांव का रहने वाला था। वह पंजाब में विद्युत विभाग में नौकरी करता था। मृतक के बड़े भाई प्रदीप ने बताया कि विनोद पिछले एक साल से घर पर ही रह रहा था। वह चार भाइयों में तीसरे नंबर का था। परिवार ने बताया कि रविवार सुबह विनोद घर से यह कहकर निकला था कि उसके मालिक को एक्सीडेंट हो गया है।

'विनोद का एक्सीडेंट हो गया है...'

इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे विनोद के फोन एक महिला ने उसके बड़े भाई प्रदीप को कॉल किया और बताया कि आप बुलंदशहर आ जाइए विनोद का एक्सीडेंट हो गया है। परिजन आनन-फानन में बुलंदशहर पहुंच गए, जहां वह विनोद की मौत की सूचना पाकर साकते में आ गए। दरअसल, युवक और युवती पहले शहर के किसी होटल में पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि वहां प्रेमी ने शक्तिवर्धक दवा का ओवरडोज ले लिया।

प्रेमी की लाश अस्पताल में छोड़कर भागी युवती

इसके बाद दोनों काला आम स्थित मलका पार्क में पहुंचे, जहां अचानक प्रेमी की हालत बिगड़ गई। युवती विनोद को लेकर तुरंत अस्पताल पहुंची और खुद को युवक की पत्नी बताया। डॉक्टरों ने जांच के बाद विनोद को मृत घोषित कर दिया और पूरे घटनाक्रम की जानकारी पुलिस को दी। हालांकि, पुलिस के अस्पताल पहुंचने से पहले ही वह मौके से फरार हो गई। जिसके मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, हत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। सीओ सिटी प्रखर पांडेय ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। फरार प्रेमिका की पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर कमीशनखोरी का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत के चिकित्सा अधीक्षक, स्टाफ नर्स और आशा कार्यकर्ताओं पर मिलीभगत कर मरीजों को निजी अस्पतालों में रेफर करने तथा उनसे रकम वसूलने का आरोप सामने आया है। इस सम्बन्ध आर. जी. आर. एस. के जरिये साकिन मौजा जमीन रूधौली अर्जनपुर थाना खेतासराय, निवासी जंग बहादुर पुत्र मिठाई लाल नें शिकायत दर्ज कराई है इसकी शिकायत अकबरपुर गांव निवासी कमलेश पुत्र सीताराम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी जौनपुर सहित शासन के उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर जांच की मांग की है।शिकायतकर्ता कमलेश ने आरोप लगाया कि सीएचसी केराकत में कार्यरत चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरुण कुमार कनौजिया, स्टाफ नर्स अंकिता पांडे, सुनीता राम सहित कुछ आशा कार्यकर्ता मिलकर मरीजों को निजी क्लीनिकों में भेजते हैं। इसके बदले निजी अस्पताल संचालकों से मोटी रकम लेकर मरीजों और उनके परिजनों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास स्थित दुर्गावती पाली क्लीनिक, कृष्णा बाल चिकित्सालय, स्टेट बैंक के पीछे रियांन्स पाली क्लीनिकल, जेपी नारायण पाली क्लीनिक तथा बुआ सिटी पाली क्लीनिक में मरीजों को रेफर किया जाता है। आरोप है कि इन क्लीनिकों में अधिकतर मामलों में झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा इलाज और ऑपरेशन किए जा रहे हैं।शिकायतकर्ता के अनुसार विशेष रूप से प्रसव के मामलों में यह खेल ज्यादा देखने को मिल रहा है। रात्रि में डिलीवरी के लिए आने वाली महिलाओं को सामान्य प्रसव न कराकर सीजर ऑपरेशन की सलाह देकर निजी अस्पतालों में भेज दिया जाता है। आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से मरीजों के परिजनों को बहला-फुसलाकर निजी अस्पताल ले जाया जाता है, जहां उनसे भारी रकम वसूली जाती है।

वाराणसी के सारनाथ में लाइट एंड साउंड शो सात माह से बंद, पर्यटकों को मिल रही है निराशा

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। सारनाथ के पुरातत्व खंडहर परिसर में भगवान बुद्ध के जीवन पर आधारित लाइट एंड साउंड शो पिछले सात महीनों से बंद पड़ा है। यह शो खराब उपकरणों और नए उपकरणों के लिए सक्रिप्ट फाइनल न होने के कारण शुरू नहीं हो पा रहा है। इस स्थिति के चलते पर्यटक मायूस होकर लौट रहे हैं, जबकि इस शो के माध्यम से वे भगवान बुद्ध की जीवनी के बारे में जानकारी प्राप्त करने की उम्मीद कर रहे थे।

लगभग 10 वर्ष पहले 7.88 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित लाइट एंड साउंड शो में वर्तमान में 60 पर्यटकों के बैठने की व्यवस्था है। हालांकि, बढ़ती भीड़ को देखते हुए नए प्रोजेक्ट में कुर्सियों की संख्या बढ़ाकर 120 करने की योजना बनाई गई है। नई कुर्सियां पर्यटकों के लिए अधिक आरामदायक होंगी। इसके अलावा, पर्यटकों के बैठने के लिए बेंच भी लगाई जाएंगी, ताकि गाइड और अन्य लोग भी आराम से बैठ सकें।

लाइट एंड साउंड सिस्टम के पुराने होने के कारण पर्यटकों को पिक्चर और आवाज स्पष्ट नहीं सुनाई दे रही थी। इस मुद्दे को लेकर पर्यटकों ने कई बार आपत्ति भी जताई। इसके समाधान के लिए पर्यटन विभाग ने शासन को प्रस्ताव भेजा, जिसमें 10 वर्ष पुराने और खराब लेंस को बदलने का अनुरोध किया गया। शासन ने इस प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए 9.60 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की, जिसमें से एक करोड़ रुपये जारी कर दिए गए हैं। इसके बाद कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड (विद्युत) को बजट जारी करते हुए टेंडर करने के निर्देश दिए गए हैं।

लाइट एंड साउंड शो के सक्रिप्ट को फाइनल करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के महानिदेशक के पास फाइल भेजी गई है। जैसे ही यहां से अनुमोदन मिलेगा, कार्यदायी संस्था काम शुरू करेगी, जिससे पर्यटक जल्द ही लाइट एंड साउंड शो का आनंद उठा सकेंगे।

हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि लाइट एंड साउंड शो कब से शुरू होगा और पर्यटकों को इसका लाभ कब मिलेगा। इस विषय पर जिम्मेदारों के पास कोई ठोस जवाब नहीं है। सारनाथ में लाइट एंड साउंड शो की स्थिति पर्यटकों के लिए निराशाजनक बनी हुई है। सभी की नजरें अब इस बात पर टिकी हैं कि कब यह शो पुनः शुरू होगा और पर्यटक भगवान बुद्ध की जीवनी के इस अद्भुत अनुभव का लाभ उठा सकेंगे।

उड़ाया रंग गुलाल, फूलों की खेली गयी होली

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। नगर के सिद्धार्थ उपवन में कृपाशंकर सिंह मित्र मंडल द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में अतिथियों का स्वागत पूर्व गृहराज्यमंत्री व पूर्व लोकसभा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने रंग बिरंगे गुलाल लगाकर किया और होली पर्व की परंपरा के अनुरूप एक-दूसरे पर फूलों की पंखुडियां फेंककर होली की बंधाईयां दी। उन्होने कहा कि होली का पर्व समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और एकता को मजबूत करने का अवसर देता है। उन्होंने लोगों से सामाजिक समरसता बनाए रखने और मिलजुलकर त्योहार मनाने की अपील की। होली भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व है, जो लोगों को आपसी मतभेद भुलाकर एक-दूसरे के करीब लाने का काम करता है। लोकगीत कलाकार आदर्श

तिवारी ने होली गीतों को एक से बढ़कर एक गा कर समां बांधे रखा,फगुवा गीतों ने लोगो को झूमने पर विवश कर दिया तो वही पूर्व विधायक सुषमा पटेल विधायक रमेश मिश्र, सुनीता सिंह ने फगुवा गीत होली खेला रघुवीरा गाकर होली मिलन कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया।विधायक रमेश मिश्रा ने कहा कि फागुन का महीना में प्रकृति और सामाजिक प्राणी मदमस्त रहते है , सुषमा पटेल ने कहा की होली जीवन को सामूहिक रूप से आनंदित बनाने का उत्सव है। पूर्व विधायक सुषमा पटेल, डॉ0 हरेंद्र सिंह, लीना तिवारी, विद्यासागर सोनकर, जगदीश सोनकर, दिनेश चैधरी, भाजपा प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह,सुनीता सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, विनोद अग्रहरि,आदि लोग मौजूद रहे।

औरेया के 254 टीचरों की नौकरी पर तलवार, खंगाला जाएगा हर रिकॉर्ड, सरकार ने दिए आदेश

आर्यावर्त संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में बेसिक शिक्षा विभाग एक बार फिर सुर्खियों में है। संदिग्ध दस्तावेजों के आधार पर नौकरी पाने के आरोप में जिले के 254 शिक्षकों की डिग्री और प्रमाणपत्रों की दोबारा जांच कराए जाने की तैयारी शुरू हो गई है। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव (बेसिक शिक्षा) पार्थ सारथी सेन शर्मा की ओर से जारी पत्र के बाद विभाग में हलचल तेज हो गई है।

हाईकोर्ट के निर्देश पर प्रदेश भर में बेसिक स्कूलों में नियुक्त सहायक शिक्षकों के डॉक्यूमेंट की जांच की जा रही है। इससे पहले भी वर्ष 2017 में भी अदालत के आदेश पर विशेष जांच दल (एसआईटी) ने जिले में शिक्षकों की नियुक्तियों की जांच की थी। उस जांच के दौरान सात शिक्षकों की बीएड डिग्री फर्जी पाई गई थी। जांच

में यह भी सामने आया था कि उनकी मार्क्सशीट में छेड़छाड़ की गई थी। मामले की पुष्टि होने के बाद संबंधित शिक्षकों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। उसी जांच के दौरान जिले में कुल 254 शिक्षकों के दस्तावेजों को संदिग्ध मानते हुए उनकी सूची तैयार की गई थी। अब एक बार फिर उन्हीं शिक्षकों के डॉक्यूमेंट की गहन जांच कराई जाएगी।

दिव्यांग प्रमाणपत्रों की भी जांच की जाएगी

नई जांच प्रक्रिया में शिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता से जुड़े सभी दस्तावेजों की बारीकी से पड़ताल की जाएगी। इसके साथ ही दिव्यांग प्रमाणपत्रों की भी जांच की जाएगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं किसी ने आरक्षण का लाभ लेने के लिए फर्जी प्रमाणपत्र तो नहीं लगाया। विभाग को निर्देश दिया गया है कि सभी संदिग्ध शिक्षकों की विस्तृत सूची तैयार कर शासन को भेजी जाए। इस सूची में शिक्षक का नाम, नियुक्ति की तारीख, संदिग्ध दस्तावेज का विवरण, प्रमाणपत्र जारी करने वाली संस्था और अब तक की गई विभागीय कार्रवाई का पूरा ब्योरा शामिल किया जाएगा। इस पूरे मामले में कुछ शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों की संभावित मिलीभगत या लापरवाही की भी जांच किए जाने की बात सामने आ रही है। माना जा रहा है कि यदि जांच में अनियमितताएं साबित होती हैं तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है।

ठंडे बस्ते में चला गया था मामला

दरअसल, पहले भी नोटिस जारी होने के बाद यह मामला कुछ समय के लिए ठंडे बस्ते में चला गया था, लेकिन अब कोर्ट के निर्देश के बाद विभागीय स्तर पर कार्रवाई फिर से तेज हो गई है। इस बार जांच प्रदेश स्तर पर कराए जाने की संभावना जताई जा रही है, जिससे पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

वर्ष 2020 में भी जिले में फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर नौकरी करने वाले चार शिक्षकों का मामला सामने आया था। इनमें अछल्दा ब्लॉक के एक शिक्षक और एरवाकटरा ब्लॉक के तीन शिक्षकों के खिलाफ तत्कालीन खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके अलावा वर्ष 2021 में अजीतमल क्षेत्र के ऊंचा गांव स्थित एक प्राथमिक विद्यालय में तैनात सहायक अध्यापक को भी एसआईटी जांच के दौरान अपने अभिलेख प्रस्तुत न कर पाने के कारण सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। इस मामले में औरैया के बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) संजीव कुमार ने कहा कि फिलहाल उन्हें आदेश मिलने का इंतजार है। आदेश प्राप्त होने के बाद संदिग्ध शिक्षकों की सूची तैयार कर शासन को भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि एक-दो दिन के भीतर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी और उसके बाद आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

बरेली में नर्स की संदिग्ध हालत में मौत, अस्पताल के कमरे में मिला शव, पति से रात में हुई थी बहस

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के एक निजी अस्पताल में काम करने वाली नर्स की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। रविवार दोपहर उसका शव अस्पताल परिसर में बने एक कमरे में मिला है। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची बारादरी थाना पुलिस ने मौके पर जांच की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस की जांच में सामने आया है कि नर्स की रात में अपने पति से फोन पर बहस हुई थी।

पुलिस के मुताबिक, मृतका की पहचान 30 वर्षीय प्रियंका देवी के रूप में हुई है। प्रियंका मूल रूप से शाहजहांपुर जिले के निगोही थाना क्षेत्र के गांव कुंवरपुर बंजरिया की रहने वाली थी। उसके पति का नाम सुनील कुमार है। प्रियंका काफी समय से बरेली के पीलीभीत बाईपास स्थित

एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में काम कर रही थी। वह अस्पताल के पीछे बने नर्स आवास में रहती थी। उसके साथ उसी कमरे में एक अन्य नर्स आस्था भी रहती थी।

बिस्तर पर मिला शव

आस्था ने पुलिस को बताया कि शनिवार रात प्रियंका की ड्यूटी थी। रविवार सुबह करीब आठ बजे जब वह ड्यूटी पर जाने लगी तो प्रियंका कमरे में सो रही थी। आस्था ने सोचा कि प्रियंका रात की ड्यूटी करके थक गई होगी, इसलिए उसे नहीं जगाया और खुद काम पर चली गई। करीब चार घंटे बाद जब वह दोपहर करीब 12 बजे वापस कमरे पर लौटी तो उसने देखा कि प्रियंका बिस्तर पर बेहोशी की हालत में पड़ी हुई थी।

नर्स का पति से चल रहा था विवाद

आस्था ने तुरंत अस्पताल के अन्य कर्मचारियों और प्रशासन को सूचना दी। इसके बाद प्रियंका को तुरंत अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बारादरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू की। इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि प्रियंका और उसके पति के बीच कुछ समय से मनमुटाव चल रहा था।

बरेली पहुंचा परिवार

शनिवार रात दोनों के बीच मोबाइल पर लंबी बातचीत और चैटिंग हुई थी। किसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस भी हुई थी। इसके बाद पति सुनील ने प्रियंका का फोन नंबर ब्लॉक कर दिया था। पुलिस को शक है कि इसी बात से परेशान होकर प्रियंका ने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया होगा, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने घटना की जानकारी मृतका के परिवार को दे दी है। प्रियंका का पति भी बरेली पहुंच गया है।

पुलिस परिवार के लोगों और अस्पताल के कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है, ताकि पूरी घटना की सच्चाई सामने आ सके। फिलहाल पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह साफ हो पाएगी। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे के 3 लाख ट्रैक मेंटेनर्स, इंजीनियरिंग विभाग कर्मियों को 'मानसून गिफ्ट', 8 घंटे ड्यूटी के बाद अतिरिक्त काम का मिलेगा ओवरटाइम

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय रेलवे में पटरियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले लाखों ट्रैक मेंटेनर्स और इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। अब मानसून और भारी बारिश के दौरान 'रोड अंडर ब्रिज' (आरयूबी) जैसे संवेदनशील स्थानों पर आठ घंटे की सामान्य शिफ्ट के बाद 4 घंटे की अतिरिक्त सेवा देने पर समयोपरि भत्ता (ओवरटाइम एलाउंस) का भुगतान किया जाएगा।

अब मानसून के दौरान कठिन परिस्थितियों में ड्यूटी करने वाले ट्रैक मेंटेनर्स और इंजीनियरिंग स्टाफ इसी वर्ष से इसका लाभ प्राप्त कर सकेंगे। जयपुर मंडल से शुरू हुई यह मुहिम अब पूरे देश के सभी 17 रेल जोन का हिस्सा बनने जा रही है। इस ऐतिहासिक फैसले की शुरुआत उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल से हुई है। इस बड़ी जीत की नींव रेलवे यूनियन हैं। मेंस यूनियन और इंप्लाइज संघ इसके लिए लगातार मुद्दा उठा रही थी। पीएनएम बैठक में भी यूनियन ने मजबूती से यह मुद्दा उठाया था कि वर्षा ऋतु में रेल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारी अपनी शिफ्ट से कहीं ज्यादा काम कर रहे हैं। इस पर संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ मंडल अभियंता जयपुर ने सभी अधीनस्थ अधिकारियों को नियम के तहत भुगतान करने के आधिकारिक निर्देश जारी कर दिए हैं। इसी क्रम में उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल व अन्य मंडलों में भी व्यवस्था क्रियान्वित की जा रही है।

अक्सर देखा जाता है कि मानसून के समय 'रोड अंडर ब्रिज' (आरयूबी) और निचले इलाकों में जलभराव के कारण ट्रेनों का संचालन प्रभावित होता है। इन स्थानों पर तैनात ट्रैक मेंटेनर्स अपनी आठ घंटे की सामान्य ड्यूटी के बाद भी लगातार चार घंटे अतिरिक्त सेवा देते हैं, ताकि पटरियों और अंडरपास से पानी की निकासी सुनिश्चित की जा सके। अब प्रशासन ने इस चार घंटे की अतिरिक्त सेवा को 'ओवरटाइम' की श्रेणी में रखते हुए भुगतान करने का निर्णय लिया है।

पूरे भारत के 17 जोन में लागू होगा नया मॉडल

जयपुर मंडल की इस सफलता को अब एक मानक के रूप में देखा जा रहा है। रेलवे बोर्ड के सूत्रों के अनुसार, इस व्यवस्था को अब भारतीय रेलवे के सभी 17 जोन में समान रूप से लागू किया जाएगा। इसका मतलब है कि उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक, देश भर के करीब 3 लाख से अधिक ट्रैक मेंटेनर्स इस फैसले के दायरे में आएंगे और उन्हें मानसून ड्यूटी का जायज हक मिलेगा। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह भुगतान पूरी तरह से पारदर्शी होगा। प्रत्येक कर्मचारी द्वारा किए गए अतिरिक्त घंटों का रिकार्ड मास्टर रोल में दर्ज किया जाएगा और उसी के आधार पर भत्ते की गणना की जाएगी। यह राशि सीधे कर्मचारियों के वेतन के साथ उनके बैंक खातों में जमा की जाएगी, जिससे बिचौलियों या देरी की गुंजाइश खत्म हो जाएगी।

3 लाख 20 हजार से अधिक ट्रैक मेंटेनर्स कार्यरत

सांख्यिकी आंकड़ों के अनुसार, भारतीय रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग में वर्तमान में लगभग 3 लाख 20 हजार से अधिक ट्रैक मेंटेनर्स कार्यरत हैं। यह रेलवे का सबसे बड़ा कार्यबल है जो सीधे तौर पर ट्रैक सेफ्टी से जुड़ा है। अब तक मानसून ड्यूटी के दौरान इनकी अतिरिक्त मेहनत का कोई स्पष्ट भुगतान रिकार्ड नहीं था, लेकिन अब इस फैसले से इन सभी लाखों परिवारों को सीधा आर्थिक फायदा होगा। मानसून के दौरान जलभराव रोकने के लिए रेलवे विशेष तैयारी करता है।

बालकनी में कबूतरों के आतंक को करना है खत्म, ये तरीके आजमाएं

कबूतर बहुत ही भोले पक्षी होते हैं जो हर किसी को अच्छे लगते हैं, लेकिन जब ये आपकी बालकनी या खिड़कियों पर बैठने लगते हैं तो काफी परेशानी होती है, क्योंकि इससे गंदगी, हर वक्त गुटरगूं की आवाज परेशान कर सकती है। कुछ सिंपल से उपायों से आप कबूतरों को अपनी बालकनी से दूर रख सकते हैं।

कबूतर को कुछ लोग अपने घरों में भी पालते हैं, क्योंकि ये बेहत प्यारा और भोला पक्षी होता है जो देखने में भी खूबसूरत लगता है। इसके अलावा कबूतरों की दूसरी प्रजाति भी होती है, जिसे अक्सर जंगली कबूतर के नाम से जाना जाता है, जो अक्सर, धूप-बारिश जैसी दिक्कतों से बचने के लिए सुरक्षित जगह ढूंढते हैं। इस वजह से यह ज्यादातर घरों की बालकनी, रोड साइड खिड़कियों आदि पर आकर बैठ जाते हैं। कई बार ये परेशानी बन जाती है। दरअसल उनकी बीट और पंखों से गंदगी फैलने लगती है। लोग कबूतर भगाने के लिए नेट तो लगवाते ही हैं, लेकिन इसके अलावा भी कुछ टिप्स आप फॉलो कर सकते हैं, जिससे कबूतर आपकी बालकनी से दूर रहते हैं।

बालकनी में कबूतरों के आने से न सिर्फ साफ-सफाई को लेकर परेशानी खड़ी हो जाती है, बल्कि उनके पंख, बीट जैसी चीजों से हेल्थ पर भी इशर हो सकता है। खासतौर पर गर्मियों में ये समस्या ज्यादा बढ़ने लगती है। तो चलिए जान लेते हैं कि कैसे रखें कबूतरों को अपनी बालकनी और खिड़कियों से दूर।

चमकदार चीजें लटकाएं

आप अपनी बालकनी या खिड़कियों पर चमकीली चीजें लटका सकते हैं। ये डेकोरेशन का काम भी करेंगी और कबूतर भी बालकनी से दूर रहेंगे। दरअसल चमकीली चीजों से जब सूरज की रोशनी टकराती है तो इससे तेज चमक निकलती है, जिसकी वजह से कबूतर थोड़े असहज होकर दूरी बना लेते हैं। इससे उन्हें नुकसान भी नहीं होता है। आप इसके लिए पुरानी CD, फॉयल, रिफ्लेक्टिव टेप या फिर मिरर से बनी लटकनों का यूज भी कर सकते हैं।

एंटीरोस्टिंग स्पाइक लगाएं

कबूतरों को बिना नुकसान पहुंचाए या फिर नेट बिना लगाए अगर खिड़की और बालकनी पर आने से रोकना है तो आप खिड़की के किनारों, दीवारों और रेलिंग के प्लेटफार्म पर एंटी-रोस्टिंग स्पाइक लगा सकते हैं। इससे वहां पर कबूतर सहज होकर नहीं बैठ पाते हैं और इस वजह से वह वहां धीरे-धीरे आना बंद कर देते हैं।

साफसफाई का ध्यान रखें

कबूतर या कोई भी पशु-पक्षी उन जगहों पर ज्यादा आते हैं जहां उन्हें खाने की चीजें मिलती हैं, या फिर तिनके, पंख जैसी चीजें रहती हैं। कबूतरों को बालकनी से दूर रखने के लिए सफाई का ख्याल रखें। अकसर हम रसोई में काम करने के दौरान गिरने वाले थोड़े बहुत अनाज, दालों या फिर बची हुई रोटियों को सुखाने के लिए बालकनी में रख देते हैं। इससे भी कबूतर आते हैं। रोजाना सफाई करने के साथ इन चीजों को रखने से बचें।

बर्ड रिपेलेंट डिवाइस का यूज

आप अपनी बालकनी या खिड़की पर अल्ट्रासोनिक रिपेलेंट डिवाइस लगा सकते हैं। ये ऐसे इंस्ट्रूमेंट होते हैं जो हल्का साउंड इफेक्ट पैदा करते हैं। ये आवाज इंसानों को न ही सुनाई नहीं देती है और न ही हमें नुकसान पहुंचाती है। इससे पक्षियों को भी नुकसान नहीं होता है, लेकिन वो इससे थोड़े असहज हो जाते हैं। इससे कबूतर अगर आते भी हैं तो उड़ जाते हैं।

शिकारी पक्षियों की डमी

आप अपनी बालकनी पर शिकारी पक्षियों की डमी लगा सकते हैं, जैसे सांप लटका कर रखना, उल्लू या बाज के रियल दिखने वाले डमी लटकाना। इससे कबूतर डरते हैं और वह वहां बार-बार आने से बचेंगे। इसी के साथ आपको ये भी ध्यान में रखना जरूरी है कि आप कुछ-कुछ दिनों पर इन डमी की जगह बदलते रहें।

पार्किंसंस रोग से जंग में बड़ी सफलता, दुनिया में पहली बार इस खास तरीके के इलाज को मिली मंजूरी

दुनियाभर की स्वास्थ्य सेवाओं पर जिन बीमारियों के कारण साल-दर-साल अतिरिक्त दबाव बढ़ता जा रहा है, न्यूरोलॉजिकल बीमारियां उनमें से एक हैं। पार्किंसन ऐसी ही एक बीमारी है, जो मुख्य रूप से डोपामाइन बनाने वाले ब्रेन सेल्स के डेड होने से होती है। इस रोग में मूवमेंट से जुड़े लक्षण जैसे कंपकंपी, बहुत धीरे चल पाने और शरीर में अक्सर अकड़न बने रहने की दिक्कत होती है। अभी तक पार्किंसन रोग का कोई इलाज उपलब्ध नहीं था, इसके लक्षणों को कंट्रोल करने के लिए दवाइयां और उपचार दिए जाते थे।

हालांकि अब इस दिशा में बड़ी कामयाबी मिली है। जापान ने दुनिया में पहली बार पार्किंसंस रोगियों के इलाज के लिए नए स्टेम-सेल थेरेपी को मंजूरी दे दी है। ये रीजेनरेटिव मेडिसिन में एक बड़ी उपलब्धि है।

इसके साथ ही जापानी सरकार ने गंभीर हार्ट फेलियर के लिए भी ऐसे ही इलाज को मंजूरी दी है।

ये इंड्यूस्ड प्लुरिपोटेंट स्टेम (iPS) सेल पर आधारित दुनिया के पहली कमर्शियली उपलब्ध मेडिकल प्रोडेक्ट बन सकते हैं।

विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि ये थेरेपी कुछ ही महीनों में मरीजों तक पहुंच जाएंगी। एडवांस्ड बायोमेडिकल इनोवेशन के क्षेत्र में ये जापान की बढ़ती लीडरशिप को भी दिखाता है।

पार्किंसंस बीमारी के इलाज के लिए स्टेम सेल थेरेपी

जापान की दवा बनाने वाली कंपनी सुमितोमो फार्मा को पार्किंसंस के इलाज के लिए एमचेप्री नाम की दवा बनाने और बेचने की मंजूरी मिल गई है। इस थेरेपी में लैब में तैयार किए गए स्टेम सेल को सीधे मरीज के दिमाग में ट्रांसप्लांट किया जाएगा। ये स्टेम सेल डोपामाइन बनाने वाले न्यूरॉन्स को ठीक करने में मददगार हो सकते हैं।

पार्किंसंस बीमारी में, ये न्यूरॉन्स धीरे-धीरे खराब होते जाते हैं जिसकी वजह से कंपकंपी, अकड़न और चलने-फिरने में दिक्कत जैसे लक्षण होते हैं।

इलाज का मकसद इन खराब सेल्स को बदलकर डोपामाइन का प्रोडक्शन ठीक करना और मोटर फंक्शन को बेहतर बनाना है।

क्लिनिकल ट्रायल में देखे गए अच्छे परिणाम

जापान की क्योटो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में इसका क्लिनिकल टेस्ट किया गया था। इस ट्रायल में 50 से 69 साल के सात पार्किंसंस रोगी शामिल थे। हर मरीज के दिमाग में इस नए स्टेम-सेल से बने न्यूरॉन्स लगाए गए।

इस प्रक्रिया के बाद दो साल तक प्रतिभागियों पर नजर रखी गई। सात में से चार प्रतिभागियों के लक्षणों में काफी सुधार दिखा।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा, क्लिनिकल टेस्ट से पता चलता है स्टेम-सेल-बेस्ड इंटरवेंशन न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों को मैनेज करने का एक अच्छा तरीका बन सकता है।

हालांकि अध्ययन का सैंपल साइज अभी बहुत छोटा है, इसका विस्तृत तरीके से ट्रायल किया जाना बाकी है।

यह थेरेपी इंड्यूस्ड प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल्स (iPS) पर आधारित है, इसकी खोज जापानी साइंटिस्ट शिन्या यामानाका ने की थी जिसके लिए उन्हें 2012 में नोबेल प्राइज मिला था।

हार्ट फेलियर के इलाज को भी मंज़ूरी मिली

पार्किंसंस बीमारी के लिए स्टेम-सेल ट्रीटमेंट को मंजूरी के साथ हार्ट फेलियर के लिए भी ऐसी ही थेरेपी को मंजूर किया गया है।

जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मेडिकल स्टार्टअप क्यूओरिप्स द्वारा बनाई दूसरी रीजेनरेटिव थेरेपी रीहार्ट को भी मंजूरी दी है।

इसमें स्टेम सेल से बनी हार्ट मसल सेल्स का इस्तेमाल होता है, जिन्हें हृदय की सतह पर लगाया जाता है।

ये सेल्स नई ब्लड वेसल बनाने और गंभीर हार्ट फेलियर वाले मरीजों में कार्डियक फंक्शन को बेहतर बनाने में मदद करती हैं।

स्प्राउट खाने से फायदे की जगह न हो जाए सेहत को नुकसान, न करें ये गलतियां

स्प्राउट्स यानी अंकुरित दाल, चना, अनाज आदि को प्लांट बेस्ड प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स माना जाता है। इसके अलावा भी इसमें काफी पोषक तत्व पाए जाते हैं, लेकिन जरूरी है कि इसे सही तरीके से तैयार किया जाए और खाते वक्त भी कुछ बातों का ध्यान रखा जाए। कुछ गलतियों की वजह से फायदे की की बजाय सेहत को नुकसान हो सकता है।

वेजिटेरियन और वीगन लोगों के लिए स्प्राउट्स काफी फायदेमंद होते हैं, क्योंकि इनमें प्रोटीन समेत विटामिन-मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। दरअसल जब आप किसी अनाज या दाल को अंकुरित करते हैं तो इसमें पोषक तत्वों की मात्रा और भी ज्यादा बढ़ जाती है। ये आपकी बॉडी को एनर्जी देने के साथ ही कम कैलोरी वाला फूड होता है। यही वजह है कि लोग स्प्राउट्स को ब्रेकफास्ट या फिर मिड स्नैक की तरह खाना पसंद करते हैं। कुछ ऐसी कॉमन मिस्टेक हैं जो ज्यादातर लोग स्प्राउट्स खाते हुए करते हैं, इससे आपकी सेहत को फायदे की बजाय नुकसान पहुंच सकता है।

हर अनाज को अंकुरित करके खाने से सेहत को अलग-अलग फायदे होत हैं, इसलिए अपनी जरूरत के मुताबिक अनाज के स्प्राउट बनाकर खाने चाहिए। महंगे रेस्त्रां में भी अब तो स्प्राउट और माइक्रोग्रीन्स मेन्यू का हिस्सा होते है, क्योंकि बहुत सारे फिटनेस फ्रीक लोग इसे अपने मील का हिस्सा बनाते हैं। जान लेते हैं स्प्राउट खाने के दौरान कौन सी गलतियां नहीं करनी चाहिए।

स्प्राउट बनाने में गलती करना

हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि अगर आप स्प्राउट बना रहे हैं तो इससे पहले मूंग, चना या फिर जो भी अनाज है उसे अच्छी तरह से धोकर साफ करना चाहिए। अक्सर ये गलती होती है कि एक बार धोने के बाद स्प्राउट्स बना दिए जाते हैं। जबकि दाल और अनाजों पर कई तरह के बैक्टीरिया मौजूद हो सकते हैं। इसके अलावा 6 घंटे में पानी बदलते रहना चाहिए। एक ही पानी में स्प्राउट बनाने की गलती न करें।

कच्चे स्प्राउट खाने की गलती

ज्यादातर लोग स्प्राउट्स को कच्चा खाते हैं, जबकि इसे अवॉइड करना चाहिए। खासतौर पर अगर आपका डाइजेशन कमजोर है या फिर इम्यूनिटी वीक है तो ये गलती कतई भी न करें। स्प्राउट को हल्का स्टीम करके ही खाना बेहतर रहता है। इससे अगर बैक्टीरिया होंगे भी तो ये नष्ट हो जाते हैं।

लंबे समय तक रखे रहना

अक्सर लोगों को लगता है कि स्प्राउट्स बनाने में काफी टाइम लगता है, इसलिए वो इसे एक साथ ढेर सारा बनाकर रख लेते हैं। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि स्प्राउट बनाने के 24 से 48 घंटे के अंदर खाकर खत्म कर लें। इससे ज्यादा स्टोर करने से इसमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं।

मार्केट से स्प्राउट खरीदना

लोग अक्सर ये गलती करते हैं कि वो घर पर स्प्राउट्स बनाने की बजाय मार्केट से इसे खरीदते हैं। ज्यादातर हमें सोर्स का पता नहीं होता है कि ये स्प्राउट फ्रेश हैं या फिर नहीं। ये कैसे प्रोसेस किए गए हैं यानी बैक्टीरिया तो नहीं हैं।

खाने से पहले स्मेल न करना

जब भी अगर स्प्राउट्स खा रहे हैं तो ये गलती कतई न करें कि आप सीधे कन्ज्यूम कर लें। सबसे जरूरी है कि आप खाने से पहले स्मेल करें। अगर अजीब बदबू आ रही हो तो खाना अवॉइड करना चाहिए। इसके अलावा हल्का रंग बदला हुआ दिखे तो भी स्प्राउट न खाएं।

रिकॉर्ड कमाई के बावजूद इस बैंक ने 2500 कर्मचारियों को निकाला, क्या एआई छीन रहा नौकरियां?

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की प्रमुख निवेश बैंकिंग कंपनी मॉर्गन स्टेनली ने अपने वैश्विक कर्मचारियों में से करीब 2,500 लोगों की छंटनी की है। यह संख्या कंपनी के कुल कर्मचारियों का लगभग 3 प्रतिशत बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह छंटनी मार्च की शुरुआत से शुरू हुई है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह छंटनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी किसी सुधार प्रक्रिया के कारण नहीं की गई है, बल्कि इसके पीछे कंपनी की बदलती व्यावसायिक प्राथमिकताएं, वैश्विक स्तर पर नई लोकेशन रणनीति और कर्मचारियों के प्रदर्शन की समीक्षा जैसे कारण बताए जा रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह छंटनी बैंक के तीन बड़े डिवीजन-इंस्टिट्यूशनल सिक्योरिटीज, वेल्थ मैनेजमेंट और इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट-में की गई है। इससे फ्रंट-ऑफिस, राजस्व से जुड़े पदों और बैक-ऑफिस भूमिकाओं पर असर पड़ा है, हालांकि वित्तीय सलाहकारों को इस फैसले से बाहर रखा गया है।

फिलहाल मॉर्गन स्टेनली ने इस रिपोर्ट पर आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इससे पहले भी पिछले साल वसंत में कंपनी ने करीब 2,000 कर्मचारियों की छंटनी की थी।

दिलचस्प बात यह है कि यह छंटनी ऐसे समय में हुई है जब कंपनी ने 2025 में रिकॉर्ड 70.6 अरब डॉलर की सालाना आय दर्ज की है। वहीं साल की अंतिम तिमाही में कंपनी की आय में 47 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखी गई। 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी के 40 से अधिक देशों में कुल 82,992 कर्मचारी काम कर रहे थे।

हाल ही में जारी अपनी एक रिपोर्ट में मॉर्गन स्टेनली ने कहा था कि नौकरियों पर एआई का लंबी अवधि का असर उतना गंभीर नहीं हो सकता जितना लोग मान रहे हैं। कंपनी के अनुसार कुछ नौकरियां जरूर ऑटोमेट होंगी, लेकिन अधिकांश कर्मचारी पूरी तरह बेरोजगार नहीं होंगे। कई लोग नए प्रकार की नौकरियों में शिफ्ट हो सकते हैं, जिनमें से कुछ भूमिकाएं अभी अस्तित्व में भी नहीं हैं। बैंक का मानना है कि एआई काम करने के तरीके को बदलेगा, लेकिन नौकरियों को पूरी तरह खत्म नहीं करेगा।

इसी बीच, जैक डोर्सी द्वारा स्थापित पेमेंट कंपनी ब्लॉक ने भी हाल ही में एआई से जुड़े बदलावों के चलते अपने कर्मचारियों की संख्या लगभग आधी करने की घोषणा की है। कंपनी अपने कर्मचारियों की संख्या 10,000 से घटाकर करीब 6,000 करने की योजना बना रही है।

टेक उद्योग के कई विशेषज्ञों का मानना है कि कंप्यूटर आधारित अधिकांश व्हाइट-कॉलर नौकरियां अगले 12 से 18 महीनों में ऑटोमेशन की ओर बढ़ सकती हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेजन ने भी अपने रोबोटिक्स डिवीजन में कर्मचारियों की छंटनी की है, जिसमें कम से कम 100 व्हाइट-कॉलर नौकरियां प्रभावित हुई हैं। इससे पहले जनवरी में कंपनी ने करीब 16,000 नौकरियों में कटौती की थी। वहीं, अमेरिकी टेक कंपनी ओरेकल भी अपने एआई डेटा सेंटर क्षमता बढ़ाने के लिए 20,000 से 30,000 कर्मचारियों की छंटनी की योजना बना रही है।

फास्टटैग रिचार्ज करते ही पलक झपकते ही उड़ रहे सारे पैसे, फंसने से पहले तुरंत जान लें सरकार की ये चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप भी अपनी कार या गाड़ी का फास्टैग अपने मोबाइल से ऑनलाइन रिचार्ज करते हैं, तो यह खबर आपके लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। टोल प्लाजा पर लंबी लाइनों से बचने और सफर को आसान बनाने वाला फास्टैग अब साइबर ठगों का सबसे नया और खतरनाक हथियार बन चुका है। एक छोटी सी लापरवाही से आपका मेहनत का पैसा फास्टैग वॉलेट की जगह सीधे जालसाजों के बैंक खाते में जा रहा है और आप बिना बैलेंस के बीच हाइवे पर बुरी तरह फंस सकते हैं।

गृह मंत्रालय की एजेंसी ने किया इस खौफनाक जाल का पर्दाफाश

इस बड़े और खतरनाक स्कैम को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाली साइबर सुरक्षा एजेंसी 'साइबर दोस्त' ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बेहद जरूरी अलर्ट जारी किया है। एजेंसी ने एक वीडियो शेयर करके देश भर के वाहन चालकों को आगाह किया है कि इंटरनेट पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के नाम से मिलती-जुलती दर्जनों फर्जी वेबसाइट्स धड़ल्ले से चल रही हैं। जब कोई अनजान यूजर अपना फास्टैग रिचार्ज कराने या एनुअल पास बनवाने के लिए इंटरनेट पर सर्च करता है, तो ये फेक वेबसाइट्स उसे अपने जाल में फंसा लेती हैं।

सीधे स्कैमर्स की जेब में जा रही है आपकी गाढ़ी कमाई

इन फर्जी पोर्टल्स को बिल्कुल असली वेबसाइट की तरह चालाकी से डिजाइन किया गया है ताकि किसी को जरा भी शक न हो। जैसे ही आप इन वेबसाइट्स पर जाकर अपने फास्टैग या एनुअल पास के लिए कोई भी ऑनलाइन पेमेंट करते हैं, तो वो पैसा आपके फास्टैग अकाउंट में जाने के बजाय सीधे इन साइबर लुटेरों के बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाता है। आपको लगता है कि आपका रिचार्ज सफलतापूर्वक हो गया है, लेकिन जब आप टोल प्लाजा के बैरियर पर पहुंचते हैं, तब जाकर इस बड़े धोखे का पर्दाफाश होता है।

नकली वेबसाइट्स को पहचानने का ये है सबसे अचूक तरीका

सरकारी एजेंसी ने साफ तौर पर बताया है कि इस भयंकर धोखे से बचना मुमकिन है, बस आपको भुगतान करने से पहले थोड़ी सी सतर्कता बरतनी होगी। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से पहले उस वेबसाइट का यूआरएल और उसकी स्पेलिंग को बहुत ध्यान से चेक करें। फर्जी वेबसाइट्स की पहचान यह है कि उन पर स्पेलिंग की गलतियां (स्लग एरर) होती हैं और वहां इस्तेमाल की गई तस्वीरें बेहद धुंधली या लो-क्वालिटी की होती हैं। किसी भी तरह की ठगी से बचने के लिए हमेशा ह्व।[द्ध के आधिकारिक पोर्टल का इस्तेमाल करें या फिर अपने स्मार्टफोन में मौजूद सुरक्षित 'राजमार्ग यात्रा ऐप' के जरिए ही फास्टैग से जुड़ा लेन-देन करें।

एप्पल ने लॉन्च किया अपना सबसे सस्ता लैपटोप आईफोन 16 प्रो वाला प्रोसेसर और 16 घंटे की बैटरी लाइफ, कीमत कर देगी हैरान

प्रीमियम लैपटॉप बाजार में अपना दबदबा कायम रखने के बाद, अब एप्पल ने बजट फ्रेंडली सेगमेंट में भी तहलका मचा दिया है। कंपनी ने ग्राहकों के लिए अपना नया और किफायती लैपटॉप 'मैकबुक नियो' लॉन्च कर दिया है। सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस सस्ते मैकबुक में भी कंपनी ने उसी दमदार ए18 प्रो चिपसेट का इस्तेमाल किया है, जो आईफोन 16 प्रो और आईफोन 16 प्रो मैक्स में देखने को मिलता है। इस लैपटॉप की प्री-बुकिंग शुरू हो चुकी है और आगामी 11 मार्च से यह एप्पल की आधिकारिक वेबसाइट व सभी अधिकृत रिटेलर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध हो जाएगा।

नए मैकबुक नियो में 13 इंच का बेहतरीन लिक्विड रेटिना आईपीएस डिस्प्ले दिया गया है, जो 219श्चश्चद्ब पिक्सल डेंसिटी के साथ आता है। एप्पल का यह लेटेस्ट लैपटॉप आईफोन 16 सीरीज वाले ए18 प्रो चिप पर काम करता है, जो इसे मल्टीटास्किंग के लिए बेहद फास्ट बनाता है। कंपनी का दावा है कि यह इंटेल कोर अल्ट्रा 5 चिप वाले विंडोज पीसी के मुकाबले रोजमर्रा के कामों में 50 फीसदी तक और कुछ एआई आधारित कार्यों में तीन गुना तक ज्यादा तेज परफॉर्मेंस देता है। मैकबुक एयर की तरह ही यह लैपटॉप भी लेटेस्ट मैकओएस ताहो ऑपरेटिंग सिस्टम पर काम करता है। इसमें 8 जीबी रैम के साथ 256 जीबी और 512 जीबी एसएसडी स्टोरेज के दो शानदार विकल्प मिलते हैं, हालांकि इसमें रैम को बाद में बढ़ाया नहीं जा सकता है। बजट फ्रेंडली होने के बावजूद एप्पल ने इस लैपटॉप के फीचर्स में कोई कंजूसी नहीं की है। इसमें 36.5ङ्खद्ध की बैटरी दी गई है, जिसे 20 के यूएसबी टाइप-सी एडॉप्टर से तेजी से चार्ज किया जा सकता है। कंपनी का दावा है कि एक बार फुल चार्ज होने पर यह मैकबुक 16 घंटे तक की वीडियो स्ट्रीमिंग या 11 घंटे तक की लगातार वेब ब्राउजिंग का बैकअप देता है। मात्र 1.23 किलोग्राम वजन वाले इस हल्के लैपटॉप में मल्टीटच ट्रैकपैड के साथ मैजिक कीबोर्ड और सुरक्षा के लिए टच आईडी (ञ्जशह्वष्द्ध ढ्ढष्ठ) की सुविधा भी मौजूद है। इसके अलावा, बेहतरीन वीडियो कॉलिंग के लिए इसमें 1080श्च फेसटाइम एचडी वेबकैम, वॉयस आइसोलेशन, डॉल्बी एटमॉस के साथ डुअल स्पीकर सेटअप और वाई-फाई 6ई व ब्लूटूथ 6 जैसी बेहतरीन कनेक्टिविटी का सपोर्ट भी मिलता है। एप्पल ने इस नए मैकबुक को ब्लश, सिट्रस, इंडिगो और सिल्वर जैसे चार बेहद खूबसूरत रंगों में बाजार में उतारा है। कीमत की बात करें तो इसके 8 जीबी रैम और 256 जीबी स्टोरेज वाले बेस वेरिएंट की कीमत 69,900 रुपये रखी गई है, जबकि 512 जीबी स्टोरेज वाले टॉप वेरिएंट की कीमत 79,900 रुपये तय की गई है। छात्रों के लिए कंपनी एक शानदार ऑफर भी दे रही है, जिसके तहत स्टूडेंट्स 10,000 रुपये के एजुकेशन डिस्काउंट का लाभ उठाकर इसे और भी सस्ते में अपना बना सकते हैं। बाजार में इस किफायती मैकबुक की सीधी टक्कर क्रोमबुक और 60 से 70 हजार रुपये की कीमत में आने वाले एचपी, डेल व एसर जैसे दिग्गज ब्रांड्स के विंडोज लैपटॉप से होगी।

मिडिल ईस्ट में युद्ध का साउथ एशिया पर असर, पाकिस्तान और बांग्लादेश में बढ़ीं आर्थिक मुश्किलें

ढाका, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर अब साउथ एशिया तक पहुंचने लगा है। अमेरिका और इजरायल के हमलों के बादा इलाके में बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसी अर्थव्यवस्थाओं को तगड़ा झटका दिया है, जिससे ईंधन की कमी, मंहगाई और सप्लाई बाधित होने जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं।

रिपोर्ट की माने तो दोनों देशों की अर्थव्यवस्था ऊर्जा आयात और क्षेत्रीय व्यापार पर काफी निर्भर है। संकट के कारण तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे पेट्रोल-डीजल के दाम तेजी से बढ़ गए हैं और कई जगहों लोगों में घबराहट के चलते ईंधन की खरीद बढ़ गई है।

बांग्लादेश में ईंधन राशनिंग

बांग्लादेश सरकार ने हालात को संभालने के लिए ईंधन की राशनिंग शुरू कर दी है और जमाखोरी पर कार्रवाई तेज कर दी है। गैस की कमी के कारण कुछ उर्वरक कारखानों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा है। सरकार वैकल्पिक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अमेरिका से एलएनजी आयात पर भी विचार कर रही है।

पाकिस्तान में महंगाई की मार से बढ़ा तनाव

पाकिस्तान में भी तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा जा रहा है। ईंधन महंगा होने से परिवहन और रोजमर्रा की चीजों की कीमतें बढ़ रही हैं। कई इलाकों में पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखी गईं और कुछ जगहों पर विवाद तथा झड़पों की खबरें भी सामने आई हैं।

तेल की कीमतों से बढ़ी आर्थिक चिंता

एक्सपर्ट की मानें तो मिडिल ईस्ट में संघर्ष बढ़ने से वैश्विक तेल कीमतों में उछाल आता है, जिसका सीधा असर आयात-निर्भर देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ऊर्जा लागत बढ़ने से महंगाई और व्यापार घाटा दोनों बढ़ सकते हैं। यह संकट दिखाता है कि भले ही युद्ध मिडिल ईस्ट में हो, लेकिन उसके आर्थिक झटके पूरी दुनिया में महसूस किए जाते हैं। खासकर साउथ एशिया के विकासशील देशों में इसका असर आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर साफ दिखाई देने लगा है।

जंग से दुनिया परेशान, इधर हथियार बेचकर मोटी कमाई कर रहा अमेरिका...नई रिपोर्ट में खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। मिडिल ईस्ट और यूरोप में जंग से जहां पूरी दुनिया परेशान है। वहीं अमेरिका इन आपदाओं को अवसर में बदल रहा है। पिछले 4 साल में अमेरिका ने युद्ध से प्रभावित देशों में खूब हथियार बेचे हैं, जिसके कारण हथियारों के बाजार में उसका दबदबा और ज्यादा बढ़ गया है। अब दुनिया में बिक रहे 100 में से 42 हथियार अमेरिका के हैं। यह खुलासा स्टॉकहोम इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट में हुआ है।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल के मुताबिक दुनियाभर में साल 2021-25 के दौरान जितने भी हथियार बिके हैं, उनमें 42 प्रतिशत हथियार अमेरिका के हैं। 2016-20 के दौरान यह आंकड़ा 36 प्रतिशत था। इस दौरान हथियार बेचने के मामले में रूस को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। दुनिया में अब हथियार बिक्री में रूस की हिस्सेदारी 6.8 प्रतिशत है।

अमेरिका ने इन देशों को बेचे हथियार

1- सऊदी अरब को अमेरिका ने 2021-25 के दौरान सबसे ज्यादा हथियार बेचे हैं। सऊदी को पिछले साल अमेरिका से 48 एफ-35 मिले हैं। इसके अलावा एक THAAD सिस्टम भी सऊदी को मिला है। पिछले 4 साल में अमेरिका का कुल 12 प्रतिशत हथियार सऊदी ने अकेले खरीदा है। सऊदी मिडिल ईस्ट की जंग में फंसा हुआ है।

2- रूस के साथ जंग में उलझा यूक्रेन अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा हथियार खरीदने वाला देश है। पिछले 4 साल में अमेरिका ने यूक्रेन को अपने कुल हथियारों का 9 प्रतिशत हथियार बेचा है। यूक्रेन अमेरिका से मिसाइल और बख्तरबंद वाहन खरीद रहा है। यूक्रेन रूस के साथ 2022 से ही जंग लड़ रहा है।

3- जापान अमेरिका से हथियार खरीदने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश है। जापान चीन के साथ तनाव में फंसा है। पिछले 4 साल में अमेरिका ने जापान को रडार सिस्टम और मिसाइल हथियार बेचे हैं। जापान एशिया में अमेरिका का सबसे बड़ा सहयोगी है।

इन 3 देशों के अलावा अमेरिका ने 2021-25 के दौरान 96 और देशों को हथियार बेचे हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल के वरिष्ठ शोधकर्ता पीटर वेज़मैन के मुताबिक अमेरिका ने तेजी से बहुध्रुवीय होते विश्व में भी हथियार आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी प्रभुत्वता को और मजबूत कर लिया है। अमेरिका हथियारों के बिक्री को विदेश नीति के एक उपकरण और अपने हथियार उद्योग को मजबूत करने के एक तरीके के रूप में देखता है।

इस्त्राइली हमले में घायल हुए खामेनेई के बेटे मोजतबा, बढ़ते हमलों के बीच आईडीएफ का बड़ा दावा

तेल अवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब दसवें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी बीच इस्राइली सेना का एक और बड़ा दावा सामने आ रहा है। इस्राइली सुरक्षा अधिकारियों ने का मानना है कि इस्राइली हमले में मारे गए ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता आयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई हाल ही में इस्राइल के तरफ से किए गए हवाई हमले में बूरी तरह घायल हो गए। हालांकि इस्राइली सेना ने अपने दावे में इस बात को भी माना की अभी मोजतबा जिंदा हैं।

बता दें कि इससे पहले ईरानी विपक्षी चैनल ईरान इंटरनेशनल ने दावा किया था कि मोजतबा को उनके पिता के उत्तराधिकारी यानी ईरान के नए सर्वोच्च नेता के तौर पर एसेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स द्वारा चुन लिया गया है। हालांकि, न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, वरिष्ठ ईरानी धर्मगुरुओं के पास मोजतबा खामेनेई को तुरंत सर्वोच्च नेता घोषित करने में कुछ संदेह है। उनका डर है कि ऐसा करने से अमेरिका और इस्राइल उन्हें सीधे निशाने पर ले सकते हैं।

इस्त्रइली सेना ने दिए घातक संकेत

मामले में इस्राइली रक्षा सेना (आईडीएफ) के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डिफ्रिन ने बताया कि बीते दिनों इस्राइल सेना ने ईरान के कोम में उस इमारत को निशाना बनाया, जिसमें 88 सदस्यों वाली एसेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स बैठती है। ये समिति ईरान के अगले सर्वोच्च नेता का चुनाव करती है। डिफ्रिन ने कहा कि आईडीएफ ईरान के नए सर्वोच्च नेता को चुनने के प्रयासों को रोकने के लिए और हमले कर सकती है।

पहले अयातुल्ला अली खामेनेई की गई थी जान

गौरतलब है कि इससे पहले ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमले में हुई थी, जिसके बाद से पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया था। इसकी शुरुआत तब हुई थी, जब बीते 28 फरवरी को इस्राइल और अमेरिका ने ईरान पर हमले करने शुरू किए, जिसमें खामेनेई मारे गए। इसके बाद से ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर खूब बम बरसा रहा है, जिसके चलते पश्चिम एशिया में संकट सातवें आसमान पर पहुंच गया है, बहरहाल दोनों इस संघर्ष में दोनों तरफ से ताबड़तोड़ हमले जारी है।

'युद्ध का कोई उद्देश्य साफ नहीं' : पूर्व अमेरिकी NSA ने ईरान से जंग पर जताई चिंता, ट्रंप की रणनीति की आलोचना की

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष अब अपने दसवें दिन में प्रवेश कर चुका है। इसके बाद भी ये संघर्ष कम होने के बजाय और भयावह रूप लेता नजर आ रहा है। इसी बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन के ईरान के साथ युद्ध को लेकर चिंता व्यक्त की है। साथ ही ट्रंप की ईरान के साथ युद्ध नीति की आलोचना भी की है। उन्होंने कहा है कि युद्ध एक स्पष्ट रणनीतिक उद्देश्य के बिना भटक सकता है, भले ही अमेरिकी सैन्य अभियान सामरिक स्तर पर सफल दिख रहे हों।

सुलिवन ने सीएनएन के शो 'फरेद जकारिया जीपीएस' में कहा कि अमेरिकी सेना बहुत कुशल, साहसी और पेशेवर है, लेकिन युद्ध का अंतिम उद्देश्य अब भी साफ नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह युद्ध अमेरिकी सैनिकों के लिए खतरा पैदा कर रहा है, और अब तक सात सैनिकों की जान जा चुकी है। उनका कहना है कि प्रशासन ने युद्ध के लिए कई अलग-अलग वजहें बताई हैं, लेकिन कोई स्पष्ट रणनीति नहीं है, और यह समय के साथ बदलती रहती हैं। सुलिवन ने आगे कहा कि युद्ध के शुरुआती एक हफ्ते से भी ज्यादा समय बाद अस्पष्ट रणनीति एक गंभीर जोखिम है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन की वेनेजुएला में पहले की कार्रवाई से गलत सबक लेने की भी आलोचना की। उनका कहना है कि इससे यह संदेश जा सकता है कि अमेरिका कहीं भी, किसी भी समय सैन्य बल का इस्तेमाल कर सकता है। इसके साथ ही सुलिवन ने चेतावनी दी कि इस युद्ध के अनपेक्षित भू-राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं, जिससे खासकर रूस को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि रूस अमेरिकी सैनिकों के ठिकानों की जानकारी हासिल कर ईरान को मदद दे सकता है। इसके अलावा पूर्व सलाहकार ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू करने का फैसला यूक्रेन के लिए अमेरिका के समर्थन को कमजोर करता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यह युद्ध भू-राजनीति में खतरनाक मिसाल बना सकता है, और चीन इसे यह सोचकर देख सकता है कि ताइवान पर सैन्य कार्रवाई करने की उसकी क्षमता बढ़ गई है। सुलिवन ने निष्कर्ष निकाला कि युद्ध के बिना स्पष्ट रणनीति के जारी रहने से न सिर्फ अमेरिकी सैनिक खतरे में हैं।

खामेनेई की मौत पर बोले मुख्तार अब्बास नकवी–उनकी शहादत को सलाम, जल्द निकले युद्ध का समाधान

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत ईरान के लिए एक बड़ा झटका माना जा रही है। भारत और ईरान के संबंध ऐतिहासिक रहे, भारत सरकार की ओर से विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने गुरुवार (5 मार्च, 2026) को नई दिल्ली में ईरान एंबेसी पहुंच खामेनेई शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए और ईरान के दिवंगत सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेई को श्रद्धांजलि दी। आज बीजेपी नेता मुख्तार अब्बास नकवी ईरान एंबेसी पहुंचे हैं।

ईरान एंबैसी से बाहर निकलकर BJP नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, "हम यहां ईरान के सुप्रीम लीडर हज़रत अली खामेनेई को श्रद्धांजलि देने आए थे। हम ईरानी राजदूत से भी मिले, मैंने दिल से श्रद्धांजलि और संवेदनाएं दीं। बुद्ध की धरती भारत हमेशा शांति का समर्थक रहा है। PM नरेंद्र मोदी ने भी लगातार कहा है कि शांति का रास्ता ही किसी भी समस्या का हल हो सकता है। युद्ध कोई हल नहीं है... हम प्रार्थना करते हैं कि संकट के इस सागर से जल्द से जल्द शांति का अमृत निकले।"

भारत की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस की ओर से भी एक बड़ा डेलीगेशन ईरान एंबेसी अली खामेनेई को श्रद्धांजलि देने गया था। जिसमें सलमान खुर्शीद, पवन खेड़ा आदी शामिल थे। इस दौरान कांग्रेस डेलिगेशन ने सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के भारत में रिप्रेजेंटेटिव से भी मुलाकात की थी। खामेनेई की मौत के बाद दिल्ली में मौजूद ईरान एंबेसी में बड़े-बड़े नेता अली खामेनेई को श्रद्धांजलि देने पहुंच रहे हैं और उनकी शौक बुक पर साइन कर रहे हैं। भारत के कई शहरों में खामेनेई की मौत की बाद विरोध प्रदर्शन भी हुआ है।

ईरान को मिला नया सुप्रीम लीडर

ईरान के सरकारी टीवी ने रविवार को ऐलान किया कि अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई को देश का नया सुप्रीम लीडर चुन लिया गया है। युवा खामेनेई को लंबे समय से इस पद के दावेदार के रूप में देखा जा रहा था, यहां तक कि युद्ध की शुरुआत में इजराइली हमले में उनके पिता की मौत से पहले भी, हालांकि वे कभी भी निर्वाचित या सरकारी पद पर नियुक्त नहीं हुए थे।

कोलकाता में कालीघाट मंदिर के बाहर CEC ज्ञानेश कुमार का विरोध, लगे 'वापस जाओ' के नारे

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में अगले कुछ दिनों में विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं और इसके तारीखों के ऐलान को लेकर तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। तारीखों के ऐलान से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) राज्य के दौरे पर हैं। हालांकि बंगाल यात्रा के दौरान उन्हें राज्य में भारी विरोध का सामना करना पड़ा। कई जगहों पर उनको लेकर 'वापस जाओ' के नारे लगाए गए, कई जगहों पर उन्हें काले झंडे भी दिखाए गए।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को आज सोमवार सुबह दक्षिण कोलकाता के पवित्र कालीघाट मंदिर में जाने पर 'वापस जाओ' के नारे लगे और उन्हें काले झंडे तक दिखाए गए। हालांकि मौके पर मौजूद पुलिसवालों ने जल्द ही हालात को काबू में कर लिया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार आसानी से मंदिर में जा सके। ज्ञानेश के कोलकाता पहुंचने के बाद, कल रविवार रात को भी एयरपोर्ट के पास ऐसे ही प्रदर्शन देखे गए। जब उनका काफिला कल एयरपोर्ट से निकल रहा था, तो तृणमूल कांग्रेस (TMC) के कार्यकर्ताओं ने उन्हें निशाना बनाते हुए 'वापस जाओ' के नारे लगाए। इस दौरान जब वो VIP रोड के साथ कैखली इलाके निकल रहे थे तब भी उनको काले झंडे दिखाए गए। SIR प्रक्रिया को लेकर TMC ज्ञानेश के खिलाफ लगातार मुखर रही है और चुनाव आयोग पर हमले करती रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त का विरोध सिर्फ सत्तारुढ़ टीएमसी के कार्यकर्ताओं ने ही नहीं किया बल्कि लेफ्ट पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने भी एयरपोर्ट के बाहर उनका विरोध प्रदर्शन किया, जिससे इलाके में तनाव बढ़ गया। हालांकि सुरक्षा में तैनात पुलिस ने स्थिति को काबू में रखा। पुलिस का कहना है कि हालात को सख्ती से संभाल लिया गया, जिससे विरोध प्रदर्शन बढ़ने से रुक गया।

EC टीम के 3 दिन के दौरे पर सुरक्षा के इंतजाम

पुलिस ने बताया कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले ज्ञानेश कुमार के 3 दिन के दौरे को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। वह मंदिर में दर्शन के बाद विधानसभा चुनाव की तैयारियों का रिव्यू करने के लिए कई राजनीतिक दलों, प्रवर्तन एजेंसियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अफसरों के साथ बैठक भी करेंगे। ज्ञानेश कुमार, 2 अन्य चुनाव आयुक्तों एसएस संधू और विवेक जोशी के साथ राज्य के दौरा कर रहे हैं ताकि राज्य में चुनावों के इंतजामों का जायजा लिया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि चुनाव आयोग की पूरी बेंच सबसे पहले मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दलों और फिर राज्य स्तरीय दलों के प्रतिनिधियों से मिलेगी ताकि राज्य में चुनाव कराने के बारे में उनकी चिंताओं और सुझावों को सुना जा सके।

दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले होगी PC

उन्होंने बताया कि इसके बाद अधिकारियों से भी मुलाकात होगी। इसमें प्रवर्तन एजेंसियों के नोडल अधिकारी भी बैठक में शामिल होंगे। साथ ही वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अफसरों के साथ एक डिटेल्ड रिव्यू मीटिंग भी होगी। उन्होंने बताया कि बैठक में चुनावों से पहले कानून-व्यवस्था की तैयारी, डिप्लॉयमेंट प्लानिंग और एनफोर्समेंट एजेंसियों के बीच समन्वय पर फोकस रहने की उम्मीद है। चुनाव आयोग की बेंच कल मंगलवार को अपने दौरे के आखिरी दिन, राज्य के चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर (CEO) मनोज कुमार अग्रवाल और CAPF नोडल ऑफिसर के साथ बैठक करेगी। ज्ञानेश और उनकी टीम बूथ लेवल अधिकारियों से भी बातचीत करेंगे और शहर छोड़ने से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित करेंगे।

कृति सेनन से बेहतर होने की जंग में यामी गौतम की सफाई, कहा, ऐसे पीआर हथकंडे नहीं अपनाती

सोशल मीडिया में इन दिनों 'बेस्ट एक्ट्रेस' अवॉर्ड को लेकर बहस तेज हो गई है। अभिनेत्री यामी गौतम और कृति सेनन के प्रशंसकों के बीच यह विवाद छिड़ गया है कि दोनों में से बेहतर अभिनेत्री कौन है। दिलचस्प बात यह है कि यह पूरा विवाद यामी गौतम द्वारा एक सोशल मीडिया पोस्ट को 'लाइक' करने के बाद शुरू हुआ। हालांकि, अब यामी गौतम ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा है कि उनका किसी भी अभिनेत्री को नीचा दिखाने का कोई इरादा नहीं था। यामी गौतम ने अपने 'लाइक' को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि एक सेलिब्रिटी होने के कारण उन्हें रोजाना कई पोस्ट में टैग किया जाता है और कई बार यह स्पष्ट नहीं होता कि पोस्ट किसके संदर्भ में है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मुझे पता चला है कि मैंने एक ऐसी रील को 'लाइक' किया है, जिसे किसी अन्य कलाकार के प्रति अपमानजनक माना जा रहा है। हमें रोजाना कई पोस्ट में टैग किया जाता है और यह भी एक अवॉर्ड समारोह से जुड़ी किसी अन्य टैग की तरह ही दिखाई दिया। ऐसा बिल्कुल भी जानबूझकर नहीं किया गया था। संभव है कि यह गलती से क्लिक हो गया हो। यामी गौतम ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके पास कोई पीआर टीम नहीं है और उन्हें ऐसे 'घटिया पीआर हथकंडे' अपनाने नहीं आते।

दरअसल, जिस पोस्ट को यामी गौतम ने 'लाइक' किया था, उसमें एक तरफ कृति सेनन की तस्वीर और दूसरी तरफ यामी गौतम की तस्वीर लगाई गई थी। पोस्ट में कृति सेनन की तुलना में यामी गौतम को 'बेस्ट एक्ट्रेस' अवॉर्ड के लिए अधिक योग्य बताया गया था। गौरतलब है कि कृति सेनन को फिल्म 'तेरे इश्क में' के लिए 'बेस्ट एक्ट्रेस' का अवॉर्ड मिला था। इसी पोस्ट को लाइक किए जाने के बाद सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई और दोनों अभिनेत्रियों के प्रशंसक आपस में भिड़ गए। हालांकि, अब यामी गौतम ने अपने बयान के जरिए साफ कर दिया है कि यह सब अनजाने में हुआ और उनका किसी तरह का विवाद खड़ा करने का कोई इरादा नहीं था।

ब्लास्ट मोड ऑन : अब पाकिस्तान का मुस्तकबिल, तय करेगा हिंदुस्तान

धुरंधरः द रिवेंज के ट्रेलर का इंतजार खत्म हुआ। मेकर्स ने रणवीर सिंह की एक्शन थ्रिलर के सीक्वल का धांसू ट्रेलर रिलीज किया है। 3 मिनट 25 सेकंड के इस ट्रेलर ने दर्शकों और फैंस के उत्साह को और बढ़ा दिया है। यह फिल्म 19 मार्च को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शनिवार को मेकर्स ने धुरंधरः द रिवेंज का ट्रेलर सोशल मीडिया पर अपलोड किया है। इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, अब पाकिस्तान का मुस्तकबिल, हिंदुस्तान तय करेगा।

धुरंधर 2 का साढ़े तीन मिनट का ट्रेलर एपिक रिवेंज का वादा करता है। आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म का ट्रेलर पहली फिल्म के शुरुआती सीन से शुरू होता है, जो आईसी-814 हाईजैकिंग का सीन था और आगे दिखाता है कि कैसे हमजा (रणवीर सिंह) ने पहली फिल्म में अक्षय खन्ना के रहमान डकैत को मार डाला था। ट्रेलर में इंट्रोड्यूसिंग जसकीरत सिंह रंगी टेक्स्ट भी दिखाया गया है जो फिल्म में रणवीर के कैरेक्टर की असली पहचान है। कोई भी अंदाजा लगा सकता है कि हम इस फिल्म में उनकी बैकस्टोरी देखेंगे।

ट्रेलर में एक खास सीन भी दिखाया गया है, हम देखते हैं कि यलीना (सारा अर्जुन) गोली चलाने के लिए तैयार होते हुए बंदूक उठाती है। क्या ऐसा हो सकता है कि वह हमजा के रॉ बैकग्राउंड के बारे में पता चलने के बाद उसे गोली मारने वाली है?

संजय दत्त के चौधरी असलम का भी किरदार ट्रेलर में देखने को मिला है। वह पूरे ट्रेलर में हैं। चूंकि पहली फिल्म में, चौधरी असलम और हमजा ने

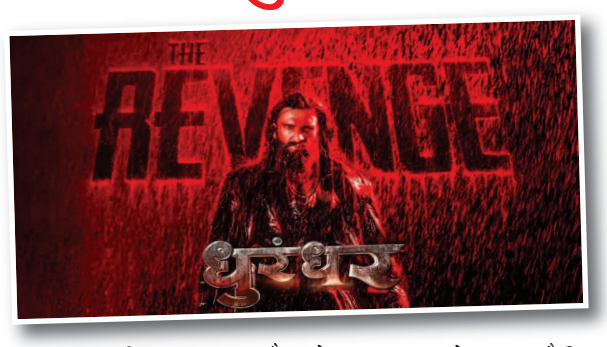

हाथ मिलाकर रहमान डकैत को मार डाला था। ऐसा लगता है कि अब, जब हमजा ल्यारी की गैंग एक्टिविटीज को संभालेगा। ट्रेलर में संजय का डायलॉग जहां दर्द है वहां मर्द है लोगों का ध्यान खींचा है। यह सोशल मीडिया पर वायरल होने का पूरा पोटेंशियल रखता है।

धुरंधरः द रिवेंज पैन इंडिया लेवल पर रिलीज होगी। मेकर्स ने इसे 5 भाषाओं हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज करने का फैसला किया है। इस जबरदस्त स्पाई-एक्शन थ्रिलर को आदित्य धर ने डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया है। उन्होंने इस फिल्म के राइटर भी हैं। फिल्म को प्रोड्यूस करने में ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने आदित्य की मदद की है। यह फिल्म 19 मार्च 2026 को गुड़ी पड़वा और उगादी के मौके पर और ईद से पहले दुनिया भर के थिएटर में आएगी।

अब मैं खुद से पूछती हूं कि मैं सच में कहां की हूं : सेलिना जेटली

अभिनेत्री सेलिना जेटली ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपने जीवन के उतार-चढ़ाव, विदेश प्रवास और अपनी पहचान के संघर्ष पर दिल की बात कही। उन्होंने भारत वापसी की जानकारी देते हुए अपने मन के खालीफन और उदासी को व्यक्त किया। सेलिना ने लिखा कि जब कोई व्यक्ति विदेश में उतना लंबा समय व्यतीत कर लेता है, जितना उसने अपने बचपन में माता-पिता के साथ बिताया हो, तो वह अपनी जड़ों और पहचान को लेकर असमंजस में पड़ जाता है। उन्होंने ऑस्ट्रिया (आल्प्स) के प्राकृतिक सौंदर्य की तुलना अपने बचपन की यादों, यानी कुमाऊं के पहाड़ों और जंगलों से की। हालांकि, अभिनेत्री ने यह भी साझा किया कि वर्षों विदेश में रहने के बावजूद वहां उन्हें मात्र पीटर की भारतीय पत्नी के रूप में ही पहचाना गया। उन्होंने लिखा, पीटर हाग से मेरी शादी के बाद ऑस्ट्रेलिया और फिर ऑस्ट्रिया में बसीं, लेकिन समय के साथ घर जैसा एहसास कम होता गया। अभिनेत्री ने अपनी मां की बात को याद करते हुए लिखा, आप एक ही इंसान को दो बार नहीं पा सकते, यहां तक कि उसी इंसान को भी नहीं। मां के साथ बिताया समय मेरा सबसे प्रिय समय था। अब जब मां-पिता और परिवार के सदस्य नहीं रहे, तो पुराना घर और एहसास वापस नहीं आता। कभी-कभी लोग ठीक होना भी नहीं चाहते, क्योंकि दर्द ही खोई हुई चीज से आखिरी रिश्ता बन जाता है।

एक सैनिक की बेटी होने के कारण उनका बचपन कई जगहों पर बीता। कोई एक स्थायी घर नहीं था, लेकिन माता-पिता ने हर जगह प्यार और खुशियां दीं। अभिनेत्री ने लिखा, अब विदेशी शादी और परिवार की कमी के कारण मुझे लगता है कि मेरा घर अब कहीं नही है। न ही मैं पूरी भारतीय और न ही विदेशी। मैं दो दुनियाओं का अच्छा हिस्सा हूं, लेकिन सच्चाई यह है कि अब कोई भी जगह पूरी तरह घर जैसी नहीं लगती। सेलिना ने अपने पहाड़ों, जंगलों, बाघों और बचपन की यादों को घर का हिस्सा बताया। वे कहती हैं कि भारत लौटने पर उम्मीद थी कि पुराना अपनापन मिलेगा, लेकिन सब कुछ बदल चुका है। उन्होंने लिखा, अब मैं खुद से पूछती हूं कि मैं सच में कहां की हूं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com